तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर,सोमवार 08 सितंबर 2025 ■ आश्विन कृष्ण पक्ष-01 ■ वर्ष -41 ■ अंक-162 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 09 सितंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

जश्न का शोर या मौत की दस्तक

दृष्टिकोण

संजय दुबे

शादी-ब्याह हो या कोई धार्मिक आयोजन—डीजे और साउंड बॉक्स के बिना कोई जश्न पूरा नहीं माना जाता। लेकिन यही रौनक कई बार मातम में बदल जाती है। कान फोड़ देने वाला शोर, कंपन—अब यह सिर्फ मस्ती नहीं, बल्कि मौत की दस्तक बन चुका है। अदालतें चेताती रही हैं, सरकारें नियम बनाती रही हैं और प्रशासन कागजों पर कार्रवाई करता रहा। लेकिन असलियत यह है कि हर साल डीजे का शोर किसी न किसी घर को उजाड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ इसका ताजा उदाहरण है। 7 सितंबर 2025 को बलरामपुर में 15 साल का किशोर डीजे की धुन पर नाचते-नाचते गिर पड़ा। मौके पर ही मौत। डॉक्टरों ने कहा—तेज ध्वनि और कंपन ने दिल का दौरा ट्रिगर किया। यह अकेली घटना नहीं। पिछले साल बलरामपुर में ही 40 वर्षीय संजय जायसवाल की मौत सिर की नस फटने से हुई। कारण वही—डीजे का कातिलाना शोर। बिलासपुर के मल्हार में शोभायात्रा के दौरान मकान का छज्जा गिरा। 11 साल का मासूम दबकर मर गया। दुर्ग में डीजे की आवाज़ से परेशान 55 वर्षीय धन्नू लाल साहू ने आत्महत्या कर ली। पीड़ित परिवारों की आंखों में आज भी अपूरणीय खोखलापन है।

यह त्रासदी सिर्फ छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं। अगस्त 2024 में मध्य प्रदेश के सागर में डीजे की कंपन से जर्जर दीवार ढही। नौ मासूमों की जान चली गई। आंध्र प्रदेश में 21 साल का युवक डीजे के शोर से बेचैनी में कार्डियक अरेस्ट से मर गया। गुजरात, यूपी, बिहार, महाराष्ट्र—सारे देश में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अब यह केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट बन गया है।

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं—90 डेसिबल से ऊपर की ध्वनि दिल और दिमाग के लिए खतरनाक है, जबकि भारत में डीजे अक्सर 120-140 डेसिबल तक बजते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक कहते हैं—सार्वजनिक जगह पर 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से ज्यादा ध्वनि नुकसानदेह है। हम दोगुनी-तिगुनी आवाज़ में जश्न मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसे "साइलेंट किलर" कह चुका है। यह नींद छीनता है, ब्लड प्रेशर बढ़ाता है और दिल की धड़कन असामान्य कर देता है। फिर भी समाज इसे मस्ती मानता है, प्रशासन मूक दर्शक बन जाता है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 11 सितंबर 2023 को आदेश दिया—किसी वाहन पर साउंड बॉक्स नहीं बजे। मिलने पर उसे ज़ब्त किया जाएगा। इसके बावजूद सड़कों पर डीजे की कर्कश गूंज जारी है। अब वक्त सिर्फ जुर्माने का नहीं, कड़ी सजा जरूरी है। डीजे की सीमा लांघने वालों पर आपराधिक केस दर्ज हों। आयोजक जिम्मेदार ठहराए जाएं। समाज समझे—तेज आवाज़ में पलभर की खुशी कई बार जीवन हमेशा के लिए छीन लेती है। सच यही है—डीजे की धुन अब संगीत नहीं, मौत का शोर बन चुकी है।

नेपाल की संसद में घुसे प्रदर्शनकारी; पुलिस फायरिंग में 1 की मौत

काठमांडू,8 सितंबर। नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोमवार को युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुस गए, जिन्हें हटाने के लिए सुरक्षा बलों को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। गोली लगने एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। सिविल अस्पताल के कार्यकारी निदेशक मोहन चंद्र रेग्मी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं की जा सकी है। उन्होंने बताया कि दर्जनों घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज सिविल अस्पताल, एवरेस्ट हॉस्पिटल और आसपास के अन्य अस्पतालों में चल रहा है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों के बाद कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू पहले बनेश्वर के कुछ हिस्सों में लगाया गया था, जब प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए थे। लेकिन, अब इसे कई क्षेत्रों में लागू कर दिया गया है। इसमें राष्ट्रपति का निवास, शीतल निवास क्षेत्र, महाराजगंज, लैंचौर में उपराष्ट्रपति का निवास, सिंह दरबार के इलाके, प्रधानमंत्री का निवास और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि इसका मकसद संवेदनशील सरकारी स्थानों पर आगे की अशांति को रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्य जिला अधिकारी छबिलाल रिजाल की ओर से लागू यह कर्फ्यू दोपहर 12:30 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी है। इन

क्षेत्रों के भीतर आवाजाही, सभाएं, प्रदर्शन या घेराव सख्त वर्जित है। प्रदर्शनकारी युवाओं का मकसद सरकार की ओर से लगाए गए सोशल मीडिया बैन को हटाना है। साथ ही, वे देश में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। नेपाल की सरकार ने पिछले शुक्रवार से फेसबुक, यूट्यूब और एक्स जैसे 26 बिना रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स पर रोक लगा दी है, जिसके बाद से ही यूजर्स इन साइट्स तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस कदम से लोग हैरान और गुस्से में हैं। इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म के नेपाल में लाखों यूजर्स हैं जो मनोरंजन, खबरें और व्यापार के लिए इन पर निर्भर हैं। राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए 'जनरेशन जेड' के इन प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रगान गाकर अपना विरोध शुरू किया.

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय रजनी ताई उपासने को अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर, 8 सितंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन स्थित रायपुर की पहली महिला विधायक एवं समाजसेवी स्वर्गीय श्रीमती रजनी ताई उपासने के निवास पहुँचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रजनी ताई उपासने के योगदानों का पुण्य स्मरण किया तथा शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, श्री संतोष शर्मा, श्री जगदीश उपासने सहित परिजन उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि रजनी ताई का निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। आपातकाल के कठिन दौर में उन्होंने जिस साहस और धैर्य का परिचय दिया, वह प्रेरणादायी है। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनता के हितों और रायपुर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सादगी, ईमानदारी और समाज से गहरे जुड़ाव के कारण उन्हें विशिष्ट पहचान मिली। वे महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर सक्रिय रहीं। श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि रायपुर की पहली महिला विधायक और समाजसेवी श्रीमती रजनी ताई उपासने का हाल ही में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वर्ष 1977 में जनता पार्टी से चुनाव जीतकर उन्होंने इतिहास रचते हुए रायपुर की पहली महिला विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया। उस दौर में जब राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सीमित थी, ऐसे समय में जनता का विश्वास जीतना उनके साहस और संघर्ष का प्रतीक था।

मोक्षित कॉरपोरेशन के जीएसटी फर्जीवाड़े का खुलासा

रायपुर ■ तरुण छत्तीसगढ़

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस रायपुर जोनल यूनिट ने मेसर्स मोक्षित कारपोरेशन और उससे जुड़ी 85 फर्मों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 162.22 करोड़ रुपये के कर योग्य मूल्य पर 28.46 करोड़ रुपये के अनुचित इनपुट टैक्स क्रेडिट का नोटिस जारी किया है. फरवरी 2024 से शुरू हुई जांच में पता चला कि मोक्षित कारपोरेशन ने फर्जी इनवॉइस के जरिए बड़े पैमाने पर जीएसटीअपवंचन किया. जांच के दौरान विभागीय टीमों ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में कई फर्मों के ठिकानों पर तलाशी और निरीक्षण किया. इस दौरान खुलासा हुआ कि फर्म के पार्टनर शशांक चोपड़ा ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर दर्जनों फर्जी फर्में स्थापित की थीं, जिनके जरिए अनुचित आईटीसी का दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग की गतिविधियां संचालित की गईं. इन गतिविधियों के लिए 200 से अधिक बैंक खातों का उपयोग किया गया. जांच के बाद मोक्षित कारपोरेशन पर 28.46 करोड़ रुपये की कर मांग की गई है, साथ ही संबद्ध 85 फर्मों को दंड नोटिस जारी किए गए हैं.

जेलेंस्की के बदले तेवर, भारत के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली,8 सितंबर। ज़ेलेंस्की से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा पर उनके विचार पूछे गए थे, जहाँ उनकी तस्वीरें चीन और रूस के नेताओं के साथ ली गई थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। पहले कहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की भारतीय पीएम से फोन पर बात कर रहे थे। लेकिन एससीओ समिट में रूस, चीन और भारत की तिकड़ी देखने के बाद वो खुलकर अब अमेरिका के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पहली बार भारत को लेकर एक ऐसा बयान दिया है जो दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों को बदलकर रख देगा। उन्होंने पहली बार भारत के खिलाफ खुलकर बोलते हुए अमेरिका का समर्थन किया है। जेलेंस्की ने अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए कहाकि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ बिल्कुल सही हैं। एबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि देश पर टैरिफ लगाने का

विचार...रूस के साथ सौदे जारी रखना सही विचार है।

ज़ेलेंस्की से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा पर उनके विचार पूछे गए थे, जहाँ उनकी तस्वीरें चीन और रूस के नेताओं के साथ ली गई थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ट्रंप की शिखर वार्ता कोई कूटनीतिक सफलता हासिल करने में विफल रही। ट्रंप ने कहा कि वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने भी मास्को पर नए प्रतिबंधों के संकेत दिए, और भारत का उदाहरण दिया। यूक्रेन पर रूस के हालिया सैन्य हमले के बाद हैसेट ने कहा कि राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम प्रतिबंधों को लागू करें और जो लोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत रूसी तेल खरीदकर जो कर रहा है... हम उन्हें आर्थिक रूप से जवाब देने के लिए तैयार हैं।

छत्तीसगढ़ में सक्रिय बांग्लादेशी चोर गिरोह का भंडाफोड़

कोंडागांव ■ तरुण छत्तीसगढ़

पुलिस ने छत्तीसगढ़ में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले बांग्लादेशी गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान मासूम शेख नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

गया, जबकि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। जबकि, गिरोह के दो सदस्य पहले से ही जेल में बंद हैं। इसके साथ ही पुलिस ने इस गिरोह द्वारा आदिवासी युवतियों से शादी और धर्म परिवर्तन का भी खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह फर्जी पहचान पत्र बनाकर प्रदेश में प्रवेश करता था। इसके बाद ये सदस्य योजनाबद्ध तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों से चोरी किए गए जेवर भी बरामद कर लिए हैं। अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह करीब 25 लाख रुपये की चोरी कर चुका है। वारदात के बाद आरोपी बांग्लादेश और ओडिशा भाग जाते थे ताकि गिरफ्तारी से बच सकें।

झांसा देकर आदिवासी युवतियों से शादी और धर्मांतरण का खेल-पुलिस ने यह भी बताया कि गिरोह के सदस्य यहां की आदिवासी युवतियों को झांसा देकर शादी करते थे। शादी के बाद उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव भी डाला जाता था।

प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर जल्द लाएंगे सख्त नया कानून : गृहमंत्री विजय शर्मा

रायपुर,8 सितंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज राजधानी में मीडिया से चर्चा के दौरान एक साथ कई अहम मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दुर्ग जिले के मचांदुर गांव में आर्मी जवान के घर लगे भगवा ध्वज विवाद पर स्पष्ट रुख अपनाया। साथ ही प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर नए सख्त कानून की तैयारी की बात कही। इसके अलावा कांग्रेस की ओर से बिलासपुर में होने वाली वोट चोरी जनसभा को लेकर अपनी बात रखी। हाल ही में दुर्ग जिले के मचांदुर गांव में आर्मी जवान के घर भगवा ध्वज को लेकर हुए विवाद पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा- "जिसने ध्वज लगाया था उससे विवाद किया गया। आज उनके घर पर ही भगवा झंडा लगाएंगे। हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष राहुल टिकरिया भगवा झंडा लेकर वहां जा रहे हैं। भारत की धर्म-आस्था पर कोई हस्तक्षेप होगा तो आवाज उठेगी। हमारी बात स्पष्ट है कि ध्वज हम वहीं लगाएंगे।" गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अलग-अलग जगहों से धर्मांतरण के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा- "धर्मांतरण के विषय में समाज में ज्यादा द्वेष हो जाता है। प्रलोभन देकर लोगों का धर्मांतरण किया जाता है। नए एक्ट की तैयारी हो गई है, इसे विधानसभा में लाया जाएगा। इसके बाद पुलिस को कार्रवाई करने में आसानी होगी।"

वोट चोरी पर कांग्रेस की जनसभा पर निशाना-बिलासपुर में कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के मुद्दे पर होने वाली बड़ी जनसभा पर भी विजय शर्मा ने तंज कसा। उन्होंने कहा- "जनता बहुत अच्छे से जानती है कि वोट चोरी को लेकर कोई मसला नहीं है। राहुल गांधी ने शिगूफा उठाया और कांग्रेस पीछे-पीछे चल दी।

राहुल गांधी कभी पोलिंग एजेंट या काउंटिंग एजेंट रहे नहीं हैं, इसलिए उन्हें पता नहीं कि एक-एक मतदाता के नाम पर सूची में टिक होता है। अगर कांग्रेस मतदाता सूची में गड़बड़ी की बात कर रही है तो बिहार में सुधार को लेकर विरोध क्यों कर रही है?"

बॉर्डर पर पकड़ा गया पाकिस्तानी घुसपैठिया

श्रीनगर,8 सितंबर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरएस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया. घुसपैठिए की पहचान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा निवासी सिराज खान के रूप में हुई है. बीएसएफ की शुरुआती जांच और पूछताछ में पता चला है कि सिराज खान पंजाबी एक्ट्रेस अवनीत कौर से मिलने आया था. हालांकि अभी भी बीएसएफ सहित दूसरी एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं. सिराज को रविवार रात 9.20 बजे ऑक्ट्रोई चौकी पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने देखा. जिसके बाद उसे सीमा बाड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारी ने बताया कि सिराज के पास से कुछ पाकिस्तानी करेंसी नोट बरामद हुए हैं. फिलहाल भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की उसकी कोशिश के पीछे के असली मकसद का पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है.

गोवा सरकार ने बढ़ाया मदद का हाथ

रायपुर. छत्तीसगढ़ के बस्तर के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं. भारी बारिश की वजह से जन- जीवन अस्त व्यस्त है. इस परिस्थिति में मध्यप्रदेश के बाद गोवा सरकार ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है. बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीड़ितों की मदद के लिए 5 करोड़ की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराई गई है.

इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत का आभार जताया है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत का धन्यवाद करते हुए कहा कि आपके इस सौजन्य के लिए हृदय से धन्यवाद।

प्रदेश के उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादक के साथ-साथ बन रहे हैं ऊर्जा दाता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 08 सितंबर.प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपभोक्ता अब केवल ऊर्जा उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता भी बन रहे हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की प्राप्ति के संकल्प को तीव्र गति से पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सौर ऊर्जा के फायदों, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना और इसके अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी के विषय में लोगों को जानकारी देने और जागरूक करने के उद्देश्य से सूर्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने 618 उपभोक्ताओं के खातों में प्रत्येक को 30 हजार रुपये की दर से कुल 1.85 करोड़ रुपये की राज्यांश सब्सिडी का ऑनलाइन अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ता प्रदूषण हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और छत्तीसगढ़ इस लक्ष्य की प्राप्ति में पूरे समर्पण और क्षमता के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए हॉफ बिजली बिल से आगे बढ़ते हुए मुफ्त बिजली की ओर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने

इसे हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि प्रदेशवासी इस योजना के महत्व को समझते हुए स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आमजन से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना से जोड़ें और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में प्रदेश को अग्रसर बनाने में योगदान दें। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उपभोक्ताओं को सब्सिडी उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से आसान वित्तीय सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उपभोक्ताओं को पूर्ण रूप से मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत आज लाभार्थियों को लेटर ऑफ अवार्ड प्रदान किए गए हैं। इन योजनाओं से उपभोक्ता स्वयं सौर ऊर्जा का उत्पादन कर बिजली का विक्रय कर रहे हैं और साथ ही सस्ती बिजली का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सौभाग्य योजना के माध्यम से हर घर बिजली पहुँचाने का संकल्प लिया था। उस समय देश के 18 हजार गाँव अंधेरे में थे और आज उन सभी गाँवों तक बिजली पहुँच चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब देश स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारतीय सेना का ऑपरेशन राहत जारी

पंजाब ,8 सितंबर। पंजाब में आई भीषण बाढ़ के बाद जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पंजाब के कई जिलों के गांवों में बाढ़ का कहर है। इस संकट में भारतीय सेना ऑपरेशन राहत के तहत रेस्क्यू अभियान चला रही है, जिसके जरिए जरूरतमंदों तक खाना, पानी और अन्य जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है। भारतीय सेना के वज्र कॉर्प्स ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे राहत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बचाव अभियान से संबंधित कुछ फोटो शेयर किए।उन्होंने एक्स पर लिखा, ऑपरेशन राहत।

एक नजर

चाकू से डरा रहे दो युवक गिरफ्तार

भिलाई,8 सितंबर। भिलाई दुर्ग सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने धारदार चाकू दिखाकर लोगों डराने धमकाने वाले दो अलग अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई तपेश सिंह नेताम ने बताया कि पेट्रोल पंप के पास रोड में एक व्यक्ति धारदार चाकू लेकर लोगों को डराते हुए दिखा पुलिस ने घेराबंदी करके उसे गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान आदित्य मिश्रा (25 साल) निवासी गायत्री मंदिर मिनी माता चौक पुलगांव के रूप में हुई है इसी तरह जिला अस्पताल नल घर के पास से यासीन खान (26 साल) निवासी बास पारा वार्ड 28 दुर्ग तो चाकू लेकर लोगों डराते धमकाते गिरफ्तार किया गया है। दोनों को मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भिलाई,8 सितंबर। भिलाई जामुल थाना क्षेत्र केमिकल से भरे टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई घटना के बाद टैंकर चालक को पकड़कर लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया विवेचना कर रही है जामुल पुलिस ने बताया कि गौतम नगर खुर्सीपार निवासी जितेन्द्र कुमार (35 साल) आज मोटर साइकिल से शंकर नगर क्रांति चौक पहुंचा था कि केमिकल से भरे टैंकर की चपेट में आ गया इस घटना में जितेन्द्र की मौके पर मौत हो गई इधर घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई लोगों ने टैंकर चालक को पकड़कर जामुल पुलिस को सूचना दी इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर चालक को हिरासत में ले लिया है मृतक शादीशुदा है जामुल थाने पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है ।

प्राणघातक हमला करने वाला गिरफ्तार

भिलाई,8 सितंबर। भिलाई जामुल थाना क्षेत्र के गुटखा - सिगरेट लाने से मना करने पर युवक पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है आरोपी के कब्जे से धारदार कटर जब्त किया गया है। जामुल टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि शाहिद कुरैशी निवासी कृष्णा नगर सुपेला ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि रात पुरानी शराब भट्टी जामुल के पास शक्ति डेढ़हे ने प्रार्थी को गुटखा-सिगरेट लेने भेज रहा था प्रार्थी के मना करने पर शक्ति डेढ़हे गुस्से में आकर लोहे के धारदार कटर से सिर में प्राण घातक हमला कर चोट पहुंचाया प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया पुलिस ने आरोपी शक्ति डेढ़हे (28 साल) निवासी सतनामी पारा पुरानी बस्ती कुरूद को घेराबंदी कर पकड़ा आरोपी से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया ।

खदान में डूबने से बच्चे की मौत

भिलाई,8 सितंबर। भिलाई जामुल थाना अंतर्गत मुरुम खदान में डूबने से एक 12 साल के बच्चे की मौत हो गई वार्ड 18 शिवपुरी जामुल निवासी उमंग साहू अपने दो दोस्तों के साथ मुरुम खदान नहाने गया था नहाने के लिए जैसे ही वो पानी में उतरा गहराई में चला गया और डूब गया ।

राम लला दर्शन योजना के तहत दर्शन कर अयोध्या से लौटे

63 श्रध्दालुओं का डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 8 सितंबर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रामलला दर्शन योजना के तहत आज अयोध्या से लौटे कबीरधाम जिले के 63 श्रद्धालुओं का कवर्धा में अभूतपूर्व स्वागत किया। उन्होंने विधायक कार्यालय में श्रद्धालुओं का तिलक लगाकरए माल्यार्पण करए शॉल एवं श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने अयोध्या और काशी विश्वनाथ दर्शन यात्रा के अपने अनुभव साझा किए और राज्य शासन की इस अनोखी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने श्रद्धालुओं से चर्चा करते हुए कहा कि प्रभु श्री रामलला के दर्शन हर श्रद्धालु के लिए अत्यंत पवित्र और अविस्मरणीय

अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि समाज के लंबे 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ है और भगवान श्रीराम वहां विराजमान हुए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने गांव.गांव में जाकर इस यात्रा से प्राप्त आध्यात्मिक ऊर्जा और आनंद की अनुभूति लोगों के साथ साझा करें। श्रद्धालुओं ने बताया कि अयोध्या का रामलला मंदिर दिव्य और भव्य है। वहां का अद्भुत दृश्य देखकर उन्हें अपार शांति और संतोष प्राप्त हुआ। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं और स्वागत.सत्कार के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की अविस्मरणीय धरोहर बन गई है।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्री रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के श्रद्धालुओं को शासकीय सहायता से अयोध्या में श्रीरामलला और काशी विश्वनाथ के दर्शन कराने की सुविधा दी जा रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि इस योजना का लाभ प्रदेश के 18 से 75 वर्ष तक के निवासी उठा सकते हैं। यह योजना जीवन में एक बार अयोध्या और काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए निःशुल्क शासकीय सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ.साथ यह योजना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को रामलला और काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु शासकीय सहायता उपलब्ध करा पा रहे हैं। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब तक कबीरधाम जिले के कुल 553 श्रद्धालु इस योजना का लाभ ले चुके हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को अयोध्या और काशी विश्वनाथ के पावन दर्शन कराने के लिए आभार प्रकट किया।

विधायक रिकेश ने किया डोम शेड का भूमिपूजन

भिलाई , 8 सितंबर। कैम्प-2 के रहवासियों की सुविधा के लिए डोमशेड अत्यंत उपयोगी साबित होगा तथा यहाँ सुख-दुःख के सभी कार्यक्रम सम्पन्न हो सकेंगे। उक्ताशय के उद्गार वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने शुक्रवार को श्याम नगर वार्ड 36 कैम्प 2 तालाब के समीप निर्माणाधीन डोमशेड के लिए भूमिपूजन के अवसर पर व्यक्त किए।श्याम नगर निवासियों ने विधायक रिकेश सेन का इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुन्ना आर्य, लतेल यादव, पार्षद विनोद चेलक, शिव कुमार पटेल, चिन्ना राव, रंजीत गुप्ता, रामलाल यादव, रवि आर्या, विशु यादव, नरेन्द्र यादव, मनोज शर्मा, पुरुषोत्तम साहू, आकाश यादव, भागवत चन्द्राकर, देवनाथ, श्रीमती सरोज यादव, निर्मला यादव, गीता भारद्वाज, सुनीता वैष्णव, मोहिनी बन्जारे सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

आस्था के महासंगम में उमड़ा जनसैलाब

भिलाई, 8 सितंबर। सिविक सेंटर तिराहे पर आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच के तत्वावधान में दसवां श्री गणेश विसर्जन महोत्सव उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। विसर्जन जुलूस में राजा-महाराजा व बैलगाड़ी पर सवार बप्पा के विभिन्न स्वरूपों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन इस बार सेना और पुलिस जवानों को समर्पित रहा। राउत नाचा, ढोल-नगाड़ा और पारंपरिक नृत्य-गान के बीच 71 झांकियों ने अपनी प्रस्तुति दी। लगातार नौ वर्षों से विजेता रही न्यू आज़ाद गणेशोत्सव समिति, सेक्टर-2 को 'दशक अवॉर्ड' प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ

थीम का पुरस्कार युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल और श्रेष्ठ धार्मिक प्रस्तुति का प्रथम पुरस्कार शिव मानस समिति, सेक्टर-10 को मिला । कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, विधायक देवेंद्र यादव, रिकेश सेन, ललित चंद्राकर, नीरज पाल, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर सहित समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू, हरेंद्र यादव, धीरेंद्र प्रताप सिंह, सुभद्रा सिंह और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। भिलाई रत्न सम्मान' डॉ. जयराम अय्यर, चिरंजीव जैन, अजय भसीन और अशोक पंचोली को दिया गया, जबकि छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान' हरप्रीत सिंह, कोच पुष्कर दिनकर और एसपी विजय अग्रवाल को मिला। सेवा योजना के तहत समाजसेवियों को आर्थिक सहयोग और मंच की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। जांजगीर-चांपा के मल्लखंभ खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रस्तुति कर समा बांधा। मंच अध्यक्ष मिथलेश ठाकुर ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समितियों का उत्साहवर्धन और समाज में एकता व संस्कृति की रक्षा करना है।

बैठक में पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए मदद जुटाने का फैसला

भिलाई, 8 सितंबर। गुरु नानक नगर गुरुद्वारे में पंजाब में आई भीषण बाढ़ की स्थिति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक एवं चर्चा आयोजित की गई। बैठक में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा, सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल, यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू', कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, भिलाई के सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान साहब तथा अन्य कमेटी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य बाढ़ पीड़ितों की सेवा के लिए पंजाब रिलीफ फंड के अंतर्गत सहायता

जुटाना और सेवा कार्यों का समन्वय करना था। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जो भी फंड एकत्र होगा, उसे बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत कार्य हेतु उपयोग किया जाएगा। साथ ही, भिलाई से 25 सेवादारों का जथा पंजाब भेजा जाएगा, जो बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में सेवा कार्यों में अपना योगदान देंगे। इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सेवा, सहयोग और मानवता ही सबसे बड़ी ताकत है। यूथ सिख सेवा समिति हमेशा समाज के साथ खड़ी रही है और इस कठिन समय में हर संभव मदद प्रदान करेगी। यह सेवा कार्य समाज में भाईचारा, करुणा और समर्पण की भावना को और मजबूत करेगा। सभी धर्मावलंबियों और से अपील की गई कि वे इस राहत कार्य में बढ़-चढ़ कर सहयोग करें।

रोटरी क्लब कोरबा व रेडक्रॉस सोसायटी का रक्तदान अभियान 9 सिंतबर को

कोरबा 9 सितंबर । रोटरी क्लब ऑफकोरबा एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी मंगलवार, 9 सितम्बर 2025 को कमला नेहरू महाविद्यालय, कोरबा में विशाल रक्तदान अभियान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेगा।

क्लब अध्यक्ष रोटे. नितिन चतुर्वेदी ने बताया कि रक्तदान से असंख्य जीवन बचाए जा सकते हैं और यह अभियान जरूरतमंदों की सेवा का माध्यम बनेगा। सचिव रोटे. संतोष जैन ने कहा कि शिविर में आने वाले सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं कोषाध्यक्ष रोटे.भूमिका अग्रवाल ने नगरवासियों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील की। आयोजन का संचालन प्रोजेक्ट डायरेक्टर रोटे. मनीष अग्रवाल एवं रोटे. नितेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में होगा।

क्यूआर कोड से अब मनरेगा कार्यों की मिलेगी पूरी जानकारी

कोरबा 8 सितंबर । महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जिले की सभी ग्राम पंचायतों के लिए विशेष क्यूआर कोड तैयार कर लिए गए हैं। इन कोडों को पंचायत भवनों एवं प्रमुख स्थानों पर चस्पा किया जा रहा है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन कोड को स्कैन कर मनरेगा के पिछले तीन वर्षों में हुए सभी स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग की देखरेख में इस डिजिटल पहल को लागू किया जा रहा है। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को जनता के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।क्यू आर कोड से मिलने वाली प्रमुख जानकारी में पिछले तीन वर्षों में गाँव में मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की सूची।प्रत्येक कार्य पर स्वीकृत राशि एवं व्यय का विस्तृत विवरण। प्रगतिरत कार्यों की स्थिति। जॉब कार्डधारियों की कुल एवं सक्रिय संख्या।100 दिनों का कार्य पूरा करने वाले श्रमिकों की जानकारी। सृजित कुल मानव दिवस एवं व्यय राशि आदि की जानकारी मोबाइल से मिल सकेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने बताया कि यह पहल ग्रामीणों को योजनाओं की सीधे निगरानी का अधिकार देती है। अब ग्रामीण स्वयं देख सकेंगे कि उनके गाँव में हुए विकास कार्यों पर कितना धन खर्च हुआ और किस स्तर पर उपयोग किया गया।

रायपुर जेल से इलाज के बहाने फरार आरोपी दुर्ग स्टेशन पर पकड़ा गया

भिलाई, 8 सितंबर। रेलवे सुरक्षा बल दुर्ग और गोंदिया की संयुक्त टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को ट्रेन से गिरफ्तार किया। आरोपी करण पोर्ते उर्फकरन 26 वर्ष निवासी मंदिर हसौदए जिला रायपुर हैए जो हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में रायपुर जेल में बंद था। जानकारी के अनुसारए आरोपी 6 सितंबर को इलाज के लिए रायपुर जेल से एम्स रायपुर लाया गया थाए जहां पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। सूचना मिली कि वह 12860 हावड़ा मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस से भाग रहा है। गोंदिया स्टेशन पर ट्रेन की तलाशी ली गईए लेकिन आरोपी नहीं मिला। बाद में पता चला कि वह गीतांजलि एक्सप्रेस से उतरकर गाड़ी संख्या 07051 चेरला पल्लि रक्सौल एक्सप्रेस में सवार होकर दुर्ग की ओर लौट रहा है। इस पर दुर्ग आरपीएफको सतर्क किया गया। दुर्ग स्टेशन पर आरपीएफपोस्ट प्रभारी एस के सिन्हा और स्टाफने संदिग्ध कोच की जांच की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम व पता बताएए जिसे मंदिर हसौद थाना प्रभारी द्वारा भी पुष्टि की गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

रायपुर, 8 सितम्बर । प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग स्थित जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयापारा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण भी उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान श्री यादव ने विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने तथा संसाधनों की उपलब्धता और भवन

संधारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल और सशक्त हो सके। यादव ने जनप्रतिनिधियों एवं संस्था प्रमुखों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ऑडिटोरियम, बालक-बालिका शौचालय तथा बॉक्सिंग रिंग के शेड की मरम्मत कराई जाएगी। इसी प्रकार चंद्रशेखर आजाद विद्यालय में तीन अतिरिक्त कक्ष एवं मंच पर शेड का निर्माण तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा में प्राथमिक शाला भवन हेतु 6 अतिरिक्त कक्ष एवं बालक-बालिका शौचालय का निर्माण कराया जाएगा।इस अवसर पर पार्षद श्री गुलाब वर्मा, श्री लीलाधर पाल, श्री मनीष साहू, श्री कुलेश्वर साहू, श्री काशीराम कोसरे, श्री कमल देवांगन, श्री नरेन्द्र बंजारे, श्री संजय अग्रवाल, श्री ललित ढीमर, श्री रामचन्द्र सेन, श्री गोविंद देवांगन, श्री मनीष कोठारी, श्री सरस निर्मलकर, श्री महेंद्र लोढ़ा, श्री कमलेश फेकर, सहायक संचालक शिक्षा श्री अमित घोष, एपीसी श्री विवेक शर्मा, श्री राजेश ओझा सहित विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

युक्तियुक्तकरण से विद्यार्थियों को मिली नियमित शिक्षिका

रायपुर, 8 सितंबर । लम्बे समय से एकलशिक्षकीय की बाट जोह रहे पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परसदा के प्राथमिक शाला लाइन पारा के विद्यार्थियों को नई शिक्षिका मिल गई है। पहले एकमात्र शिक्षक होने से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने वाले विद्यार्थी अब नई मैडम के परमानेंट आ जाने से खुश है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षको के युक्ति युक्तकरण की प्रकिया अपनाई गई। युक्ति युक्तकरण की इस प्रक्रिया से जिले के सैकड़ों विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाभ पहुंचा हैं।

खासकर शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय वाले विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षा की राह आसान हो गई है। जिले के अनेक दूरस्थ विद्यालय में युक्ति युक्तकरण से शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। ऐसे ही पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदा के लाइनपारा में संचालित प्राथमिक शाला में 34 विद्यार्थी है। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में श्री नोहर प्रसाद साहू है। उन्होंने बताया कि विद्यालय एकलशिक्षकीय था। युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय को एक नियमित शिक्षिका मिली है। शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों के लिए भी बढ़िया हो गया है। युक्ति युक्तकरण से लाइन पारा के विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती नेमी जायसवाल का कहना है कि वह मूल रूप से पाली ब्लॉक के अन्य स्कूल में पदस्थ थी। अब नई पदस्थापना के बाद रेगुलर इस विद्यालय में पढ़ाई कराने आ रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने जून में ही नियमित शिक्षिका के रूप में यहाँ जॉइन कर लिया था।

भाद्रपद पूर्णिमा पर माँ सर्वमंगला घाट में जुटे पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी

कोरबा 8 सितंबर । कोरबा जिले की जीवनरेखा हसदेव नदी के संरक्षण और तट सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से कार्यरत नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रत्येक मास की पूर्णिमा को माँ सर्वमंगला घाट, कोरबा पर 'हसदेव आरती' का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में भाद्रपद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 6 सितंबर को शाम 5 बजे भव्य हसदेव आरती कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ।यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा रहा, बल्कि लोगों को नदी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रेरणादायक प्रयास भी बना। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्ति यजमान के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पवित्र मुहिम को और बल प्रदान किया।मुख्य यजमान के रूप में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल ने आरती में सहभागिता की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मेरा जन्म ग्राम तरदा में हुआ है। बचपन में मैं हसदेव नदी में घंटों नहाया करता था ।

60 लाख का गांजा ले जाते कंटेनर चालक गिरफ्तार

भिलाई, 8 सितम्बर । भिलाई नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्यवाही सामने आई है पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का भांडा फोड़ किया है 3 क्विंटल, 88 किग्रा कीमती लगभग 60 लाख का मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया है।वाहन कंटेनर कीमती 25 लाख, कंटेनर में भरा अन्य सामान कीमती 51 लाख, गांजा सहित कुल जुमला कीमती 1 करोड़, 53 लाख रूपए के माल की जब्ती हुई है। पुलिस ने कुम्हारी टोल प्लाजा के पास कंटेनर के चालक को दबोचा। वहीं दो आरोपियों की गिरफ्तारी नागपुर महाराष्ट्र से हुई है आज दोपहर एक पत्रकार वार्ता में एएसपी शहर सुखनंदन राठौर ने बताया कि दुर्ग जिले में नशे के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने हेतु एसएसपी विजय अग्रवाल ने निर्देश दे रखा है। इसी

परिप्रेक्ष्य में 7 सितंबर को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई की कंटेनर वाहन क्रमांक एनएल 01 एएच -9524 में अवैध रूप से गांजा भरकर नेशनल हाईवे से रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा टोल प्लाजा कुम्हारी में नाकेबंदी की गई। मुखबीर के बताये अनुसार रायपुर से दुर्ग की ओर कंटेनर गाडी को रोका गया। पूछताछ पर वाहन चालक ने अपना नाम उमेश यादव पिता शोभित यादव उम्र 46 साल, निवासी जय नगर जिला मधुबनी, बिहार का बताया। उमेश यादव ने और ज्यादा पूछताछ में बताया कि कंटेनर में आमतल्ला कोलकाता पश्चिम बंगाल से सामान लेकर वह गुजरात के लिए निकला था। रास्ते में ग्राम बारकोड़, देवघर, ओडिशा में परिचित का राहूल मिला जिसने 13 बोरी गांजा को नागपुर में शाहिद के पास छोड़ने को बोला प्रत्येक बोरी का 5000 रुपए देने की बात हुई। तब उक्त गांजा को कंटेनर लॉक होने से कंटेनर का नट निकाल कर गेट खोलकर गांजा भरकर नागपुर लेकर जाना स्वीकार किया। इसके पूर्व भी एक खेप गांजा शाहीद के पास नागपुर छोडना बताया है। कंटेनर चालक उमेश यादव के निशानदेही पर थाना कुम्हारी एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम नागपुर जाकर ट्रेप लगा कर मादक पदार्थ गांजा खरीदी करने पहुंचे अन्य आरोपी मुस्ताक अहमद एवं फयाज अंसारी को गिरफ्तार किया गया। मामले की अग्रिम कार्यवाही अपराध दर्ज कर थाना कुम्हारी से की जा रही है।

5 किलो गांजा सहित महिला गिरफ्तार

सूरजपुर। चांदनी थाना क्षेत्र के नवाटोला गांव में पुलिस ने एक महिला को पांच किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि महिला अपने घर में अवैध मादक पदार्थ रखे हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने महिला के घर दबिश दी।बता दें कि दबिश के दौरान पुलिस को सफेद बोरे में पैक कुल छह पैकेट गांजे बरामद हुए। इनमें चार पैकेट एक-एक किलो के और दो पैकेट आधा-आधा किलो के थे। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपये बताई जा रही है।पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (ङ्ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी नजर रखने में मदद मिलेगी। चांदनी थाना पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे मादक पदार्थों के संबंध में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एक नजर

सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वालों पर कार्रवाई

बलौदाबाजार-भाटापारा, 8 सितंबर। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली, सिमगा, भाटापारा शहर, सुहेला एवं चौकी करहीबाजार की पुलिस टीम द्वारा 6 सिंतबर को सायं के समय क्षेत्र अंतर्गत शराब भट्टी के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सडक मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, ठेला आदि में पीने, बैठने की सुविधा उपलब्ध कराकर अवैध रूप से शराब पिलाने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले कुल 15 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। पकड़े गए सभी 14 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत कार्रवाई की गइ है।

समाधान सेल ने 3 जुआरियों को किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा, 8 सितंबर। समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर6 सिंतबर को थाना सिटी कोतवाली की पुलिस द्वारा रायपुर रोड आडिटोरियम के पास बलौदाबाजार में जुआ खेलते हुए 3 जुआरियो को गिरफ्तार किया गया है। जुआरियों से नगदी 1500 एवं ताश जब्त किया गया है। आरोपी जुआरियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में धारा 13 जुआ एक्ट एवं छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है। आरोपी जुआरियों के नाम- 1. त्रिलोकीनाथ साहू उम्र 43 वर्ष ग्राम भवानीपुर थाना गिधपुरी 2. खोभराम साहू उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम दशरमा थाना सिटी कोतवाली 3. धर्मेंद्र गायकवाड उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम लच्छनपुर चौकी करहीबाजार।

रायपुर के जोरा मॉल में अपैरल ग्रुप का नया विक्टोरिया सीक्रेट ब्यूटी स्टोर लॉन्च

रायपुर 8 सितंबर। अपैरल ग्रुप जो भारत में कई ग्लोबल फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांड्स का संचालन करता है, ने रायपुर स्थित ज़ोरा मॉल में नया विक्टोरिया सीक्रेट ब्यूटी असॉर्टमेंट स्टोर लॉन्च किया है। यह विक्टोरिया सीक्रेट का भारत में 15वाँ स्टोर और 10वाँ ब्यूटी असॉर्टमेंट (बीए) स्टोर है, जो देश में ब्रांड की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है। ज़ोरा मॉल में यूजी-09 पर स्थित यह स्टोर 1,248 वर्ग फीट में फैला हुआ है और भारतीय ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुसार एक खास शॉपिंग अनुभव प्रदान करता है। स्टोर को खूबसूरती और कार्यक्षमता के साथ डिज़ाइन किया गया है। यहाँ विक्टोरिया सीक्रेट की सिग्नेचर रेंज, जैसे- फ्रेगरेंसेस, बॉडी मिस्ट, लोशन, एक्सेसरीज़ और बेहद पसंद किए जाने वाले पजामा सेट्स उपलब्ध हैं। मुख्य रूप से यह ब्यूटी कॉन्सेप्ट स्टोर है, लेकिन यहाँ चुनिंदा ब्रालेट्स और पैंटीज़ का कलेक्शन भी मौजूद है, जिससे शॉपर्स को ब्रांड की आइकॉनिक लिंजरी का शानदार अंदाज़ मिलेगा।

चाचा की हत्या कर शव नदी किनारे दबाने वाले गिरफ्तार

कसडोल पुलिस को अंधेकत्ल की गुत्थी को सुलझाने में मिली सफलता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार-भाटापारा, 8 सितंबर। दिनांक 04.09.2025 को सूचना मिली की ग्राम मोतीपुर गौठान के पास जोंक नदी में एक अज्ञात पुरुष उम्र तकरीबन 30-35 वर्ष का शव नदी किनारे पड़ा हुआ है। सूचना पर तत्काल थाना कसडोल का पुलिस बल घटनास्थल पहुंचा एवं जांच कार्यवाही प्रारंभ किया गया। इसके साथ ही एफएसएल की फोरेंसिक टीम द्वारा भी घटनास्थल एवं शव का सुक्ष्म निरीक्षण किया गया। शव के दोनों हाथ काले कलर के स्कॉर्फ में बंधा हुआ तथा गर्दन के पीछे भाग में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जान से मारने की नीयत से किसी धारदार वस्तु से पीठ एवं कंधा में वारकर गंभीर चोट पहुंचाना दिख रहा था। घटनास्थल, शव निरीक्षण एवं पीएम रिपोर्ट में उक्त अज्ञात पुरुष की हत्या कर शव नदी

में फेंक दिया जाना प्रतीत हो रहा था। कि शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात मर्ग क्र. 83/2025 तथा मामले में अपराध क्र. 583/2025 धारा 103(1),3(5) बीएनएस पंजीबध्द कर जांच एवं विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

पुलिस टीम द्वारा अज्ञात शव के संबंध में आसपास पता तलाश किया गया तथा मुखबिर के माध्यम से भी पताशाजी किया जा रहा था। साथ ही आसपास के थानों में दर्ज गुम इंसान के सांथ भी अज्ञात शव का मिलान कर पता लगाया गया। इसी बीच अज्ञात शव ग्राम पिसीद निवासी शिवप्रसाद साहू उम्र 36 साल का होने के संबंध में पता चला। साथ ही प्रकरण में मृतक की हत्या करने वाले 02 आरोपी डिगेश साहू एवं आकाश निर्मलकर के संबंध में पता चला, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर संपूर्ण घटनाक्रम के संबंध में यह जानकारी सामने आई।

मृतक शिव प्रसाद साहू गुस्सैल प्रवृत्ति का था। अपने इसी प्रवृत्ति के कारण अपने घर परिवार वालों के साथ मारपीट किया करता था तथा घर के सामान में भी तोड़फोड़ करता था। मृतक की इसी आदत के कारण उसका भतीजा डिगेश साहू उसके प्रति अत्यंत आक्रोश रखता था तथा मन ही मन अपने चाचा शिवप्रसाद साहू को मारने की योजना बना रहा था। योजना अनुसार दिनांक 01.09.2025 को अपने मित्र दूसरे आरोपी आकाश निर्मलकर के साथ शराब खरीदकर एवं अपने चाचा शिवप्रसाद साहू को मोटरसाइकिल में बैठाकर तीनों जोंक नदी किनारे ग्राम मोतीपुर गौठान के पास पहुंचे। फिर आरोपियों द्वारा अपने चाचा को शराब पिलाया गया। जब वह नशे में आया तब आरोपियों द्वारा धारदार चाकू एवं लोहे की टंगिया से चाचा शिवप्रप्रसाद साहू पर ताबड़तोड़ वारकर उसकी हत्या कर दिया गया तथा शव को नदी किनारे रेत में दफना दिया गया। की प्रकरण में दोनों आरोपियों को आज दिनांक 07.09.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। आरोपियों के नाम- 1. डिगेश साहू उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम पिसीद थाना कसडोल। 2. आकाश निर्मलकर उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम पिसीद थाना कसडोल।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ रहा डिवाइन यूथ फोरम

ब्रह्मकुमारी संस्थान के युवा प्रभाग ने शुरू किया ट्रेनिंग प्रोग्राम

रायपुर, 8 सितंबर। आध्यात्मिकता के जरिए युवाओं में संस्कार, नैतिक गुण जागृत कर खुद में बदलाव लाने और समाज व राष्ट्र के प्रति सेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के युवा प्रभाग ने डिवाइन यूथ फोरम की शुरुआत की है। इसके तहत राष्ट्रीय और जोनल स्तर पर संस्था विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। रविवार को सड्ढू स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नई उमंग, नई तरंग ध्येय वाक्य के साथ युवाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई। वर्तमान परिस्थितियों में युवाओं में पनप रहे तनाव, अशांति और अधीरता एवं व्यसनों से मुक्ति के लिए फुल स्टॉप-फुल स्टॉक का मूलमंत्र युवाओ को दिया गया। कार्यक्रम में युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्रह्माकुमारी कृति दीदी, कलकत्ता इस्ट जोन की बीके कमला दीदी सहित भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, युवा उद्यमी आदित्य मूंदड़ा, ग्रामीण सेवा प्रभाग की संयोजिका बीके सरिता दीदी और रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी उपस्थित थीं। भाजयुमो के अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि यह संस्था एक विशाल वटवृक्ष की तरह है, जिसकी शाखाएं विश्व के 147 देशों तक फैली हुई हैं। इस वृक्ष का हिस्सा बनकर मुझे खुशी हो रही है।

इच्छाएं हैं दुःख का कारण : मनीष सागरजी महाराज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 सितंबर। उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी परमपूज्य श्री मनीष सागरजी महाराज साहब का कहना है कि इच्छायें ही दुःख का कारण है। क्रोध को कम करने का एक ही तरीका है कि अपनी इच्छाओं को कम करना शुरू कर दें। हमें आत्म विश्लेषण करना चाहिए। अपने भीतर के विकारों को समाप्त करने चिंतन अवश्य करें। बार-बार अभ्यास से ही यह संभव होगा। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में आज धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जितने भी महापुरुष हुए उन्होंने अपने जीने का तरीका स्वयं बनाया। दुनिया के तरीके से जीवन नहीं जिया। अपने क्रोध पर विजय पाया। मन में क्षमा, दया, करुणा का भाव लाया। लक्ष्य हमेशा ऊंचा बनाओ। उस तक पहुंचने का प्रयास करो। गलती हो जाए तो सबक सीखो और आगे बढ़ जाओ। कभी उम्मीद मत हारो।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि क्रोध और करुणा मन में ही रहते हैं। जब क्रोध रहता है तब करुणा नहीं रहती और जब करुणा रहती है तो क्रोध नहीं रहता है। क्रोध आता है तो शब्दों और व्यवहार का ठिकाना नहीं होता। घर का कोई सदस्य क्रोधी हो तो घर में अशांति बनी रहती है। अपने मन में क्रोध नहीं करुणा को स्थान दें। सदैव दया और क्षमा का भाव रखें।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अपने आप पर विश्वास करना होगा। आपको तय करना पड़ेगा कि बगैर गुस्से के मैं कैसे रह सकता हूं। सहनशील बनना होगा। जब हमें दूसरे का गुस्सा अच्छा नहीं लगता तो हमारा गुस्सा दूसरे को कैसे अच्छा लग सकता है। मन में दृढ़ निश्चय करना होगा कि गुस्सा करना नहीं है। जो गलत है वह पूरा गलत है। यह सिद्धांत होना चाहिए। चाहे दुनिया ईर्ष्या, क्रोध करें लेकिन मैं नहीं करूंगा ये संकल्प करना होगा। जितना गहरा संकल्प होगा उतनी गहरी जागृति होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मुझे सुधारना ही है यह भावना होनी चाहिए। चाहे कैसी भी परिस्थिति आ जाए गुस्सा नहीं करना है। जिस चीज के लिए भगवान ने मना किया है,वही काम करते हो तो गुस्सा आता है। इच्छाएं मत रखो तो सुखी रहोगे। भीतर में इच्छाएं होती है तो मन में उपद्रव मचा रहता है। इसका असर हमारे व्यवहार में आ जाता है। हमारा व्यवहार दुर्व्यवहार में बदल जाता है।

राजस्व मंत्री ने किया महतारी सदन का भूमिपूजन व रंगमंच का लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 8 सितम्बर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने रविवार को बलौदाबाजार प्रवास के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया उन्होंने ग्राम पंचायत रवान में 24.70 लाख रुपये की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमिपूजन एवं 8 लाख रुपये से निर्मित रंगमच का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार निरंतर विकास एवं जनकल्याण के कार्य कर रही है।सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी सुविधाओं के साथ ही आधुनिक सुविधाओं क भी विस्तार किया जा रहा है। विकास के लिए सबको मिलकर काम करना होगा तभी गांव आगे बढेगा। उन्होंने कहा कि खेल विभाग का कार्य

संभालने के दौरान इंडोर स्टेडियम, एथलेटिक्स ट्रैक का कार्य स्वीकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि लगभग 5 करोड़ की लागत से बलौदाबाजार में नालंदा परिसर का निर्माण होगा जिसमें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को को सर्वसुविधायुक्त परिसर मिलेगा।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी में भी बेहतर कार्य करने का प्रयास होगा। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जिला अध्यक्ष आनंद जायसवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला पंचायत सदस्य गीता डोमन वर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

बाल तपस्वियों को समाज ने किया सम्मानित

रायपुर, 8 सितंबर। पर्यूषण महापर्व के दौरान इस बार छोटे बच्चों ने बड़ी संख्या में कठिन तपस्या की। विचक्षण जैन विद्यापीठ के इन विद्यार्थियों को आज टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में आयोजित धर्मसभा में सम्मानित किया गया। बाद में सभी तपस्विवों ने उपाध्याय द्वय आध्यात्म योगी महेंद्र सागरजी महाराज साहब एवं युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज साहब का आशीर्वाद किया। विद्यापीठ के करीब 30 छात्र-छात्राओं ने अठाई (8 उपवास) की तपस्या की। इस दौरान उन्होंने सिर्फ गर्म पानी का इस्तेमाल किया और भोजन का त्याग किया। इसी तरह अनेक बच्चों ने पाँच से 6 उपवास की तपस्या की।

उन्हें भी सम्मानित किया गया। श्रीसंघ की ओर से चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्यामसुंदर बैदमुथा, पीआर गोलछा व सुनीता लोढ़ा ने तिलक, माला व उपहारों से बच्चों का बहुमान किया।

बड़ी नाली निर्माण का स्लैब भरभराकर गिर गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 8 सितंबर। सेंटमेरी स्कूल रोड मे चर्च से लेकर अंबुजा रेल्वे लाईन तक बडा नाली निर्माण का स्लेब भरभराकर गिर गया ठेकेदार द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य कराये जाने का अंजाम यह रहा की नाली बनने से पूर्व ही भरभरा टूट जाना कहीं न कहीं ठेकेदार के द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य पर प्रश्नचिन्ह खडा कर दिया है। शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को सुधारने नाली निर्माण कार्य न.पा. द्वारा कराया जा रहा है जिस स्थान पर नाली निर्माण का काम हो रहा था वह काफी बडा काम था लगभग 57 लाख रूपये

के इस निर्माण कार्य मे जो भी लापरवाही सामने आयी है उसकी जांच शुरू हो गई है नाली निर्माण एजेंसी नीरव ट्रेडर्स के प्रोपाईटर आनंद शर्मा द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है ठेकेदार द्वारा निर्माण स्थल की जमीन को ध्यान मे नही रखा और निर्माण कार्य करना शुरू किया और उसके द्वारा बनाये गये नाली का लगभग 200 मीटर का एक बडा हिस्सा भरभराकर टूट गया वही इस घटना की जानकारी नगरपालिका प्रशासन को मिलते ही रविवार की सुबह स्थल पर पहुंचे और इसकी जांच प्रारंभ की और ठेकेदार नीरव ट्रेडर्स को पुनः नाली को तोडकर बनाये जाने के निर्देश जारी करते हुए नोटिस जारी किया ।

इधर इस घटना क्रम पर संज्ञान लेते हुए जिला कलेक्टर दीपक सोनी ने गुणवत्ता हीन कार्य कराये जाने को लेकर इसकी संपूर्ण जांच कराये जाने को लेकर एसडीएम भाटापारा को निर्देशित किया है। वहीं न.पा.के उप अभियंता कमलेश साहू ने बताया कि नीरव ट्रेडर्स के आनंद शर्मा को नोटिस जारी कर दिया गया है एवं नये निर्माण के लिए निर्देशित किया गया है । वहीं दूसरी ओर इस निर्माण कार्य मे जो भी सामग्री मैजरमेंट के हिसाब से बनाया जा रहा था कि नही यह सब अब जांच के दायरे मे आ गया है ।

मांगे पूरी नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन : सोनवानी

दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा संघ ने दी चेतावनी

राजनांदगांव, 8 सितंबर। दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा संघ छत्तीसगढ़ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी सोनवानी ने शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं की गईं, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संगठन से जुड़े प्रदेश के 1256 परिवारों के साथ निरंतर अन्याय किया जा रहा है। श्रीमति सोनवानी ने आगे कि प्रतिनिधि मंडल के साथ जब वे पंचायत मंत्री से मिलने उनके निवास पर पहुँचीं, तो महिला पुलिसकर्मी ने उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। पुलिसकर्मी ने अपमानजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें गाड़ी में घसीटकर बैठाया। इतना ही नहीं, उनके साथ गए छोटे-छोटे बच्चों को भी जबरदस्ती खींचा गया, जिससे उन्हें चोटें आईं। प्यास लगने पर बच्चों को पानी तक नहीं दिया गया और बाथरूम से पानी पीने को कहा गया। उन्होंने ने कहा कि शासन ने अनुकंपा नियुक्ति के निराकरण में केवल 27 पात्र अभ्यर्थियों को शामिल किया है, जबकि डी.एड. और टेट की पात्रता न रखने वाले अन्य सैकड़ों पात्र परिवारों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। यदि शीघ्र ही न्यायपूर्ण आदेश जारी नहीं हुआ, तो संगठन उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस दौरान मुख्य रूप से प्रीति रामटेके, डीलेश्वरी ध्रुव, पूर्णिमा श्रीवास, सदीप कुमार साय, चंद्रावती, रोहीत साहू, राकेश बुमार रात्रे, चंद्रकांत नुरेटी, दिपक कुमार सिदार, मुकेश कुमार राजवाड़े, प्रियंका कुर्रे, चंद्रिका साहू, सिद्धार्थ सिंह परिहार, प्रदीप कुमार, राजेश महिलाग, सुमन यादव, बलेश्वरी भास्कर, रेखा नायक, भगवती कश्यप, घनश्याम, चन्द्रकला ठाकुर, रूखमणी डहरिया, अजनी देवहारी, दुर्गेश कुमार साहू, चित्ररेखा साहू, मायावती बंजारे, कुंती कोठारी, मीना ठाकुर, नवनीत कुमार देवागन, देवेन्द्र कुमार पटेल, रितेश कुमार धनकर, नंदकुमारी निषाद, सजय प्रताप सिह, पुलेश्वरी ठाकुर, राजेन्द्र कुमार साहू, सगीता साहू, कमलेश्वरी खना, रामेश साहू, निर्मला बंजारे, मिथलेश कौशिक आदि शामिल थे।

किसी की मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहिए : वीरभद्र मुनि

राजनांदगांव 8 सितंबर। श्री विनय कुशल मुनि के सुशिष्य एवं 171 दिन तक उपवास का रिकॉर्ड बनाने वाले जैन मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने आज यहां कहा कि तत्वों को समझे तो जीवन बदलेगा ही बदलेगा। उन्होंने कहा कि किसी की मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहिए, किंतु आजकल लोग आपदा को अवसर बनाने में लगे हुए हैं जो ठीक नहीं है। जैन बगीचे के उपाश्रय भवन में मुनि श्री वीरभद्र(विराग)जी ने कहा कि प्रभु को सर्वस्व अर्पण कर दो। हम प्रभु को थोड़ा बहुत भी देने में सोंचते रहते हैं, जिसने हमें सब कुछ दिया, उसको कुछ देने के लिए भी हम सोच में पड़ जाते हैं। इतिहास लिखने के लिए शांत होना जरूरी है। मुनि श्री ने कहा कि हमें अवसर मिला है। इस अवसर का हमें लाभ उठाना चाहिए। हम इस अवसर को शरीर और संसार के लिए लगा रहे हैं किंतु धर्म ध्यान के लिए नहीं लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिसने हमें अवसर दिया हम उसके लिए भी समय नहीं निकाल पा रहे हैं! हमें उसके लिए कुछ तो करना ही चाहिए। मुनि श्री वीरभद्र (विराग) जी ने कहा कि हमें आत्म कल्याण के मार्ग में बढ़ना चाहिए और इसके लिए हमें अपने भीतर के कुसंस्कारों को खत्म करना चाहिए। आज हम अपने धरोहरों को बचा नहीं पा रहे हैं, जब तक हम अपने धरोहरों को बचाने की कोशिश नहीं करेंगे तब तक हम धर्म की रक्षा भी नहीं कर पाएंगे।

शिक्षक दिवस : अंबागढ़ चौकी स्कूल में शिक्षकों को बांटे गए उपहार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 8 सितंबर । शिक्षक दिवस के अवसर पर इंग्लिश मीडियम स्कूल अंबागढ़ चौकी में शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर शाला संचालन समिति, नांदगांव शिक्षा मंडल के सह सचिव उमेश अग्रवाल तथा प्रशासक डॉ .आर .एन .सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे । स्कूल के छोटे - छोटे बच्चों ने अपने शिक्षकों के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कीं । कार्यक्रम के प्रारंभ

में अतिथियों द्वारा पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर स्मरण किया गया । उप सचिव उमेश अग्रवाल ने नांदगांव शिक्षा मंडल के शिक्षा के प्रति संकल्प की विस्तृत जानकारी शिक्षकों को उपलब्ध कराई । इसी क्रम में डॉ. आर . एन . सिंह ने राधाकृष्णन जी के अविस्मरणीय योगदान की चर्चा करते हुए मर्म स्पर्शी सच्ची घटना का जिक्र कर शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला । इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्राचार्य डॉ. सूर्यकांत मिश्रा ने शिक्षकों से आग्रह किया कि बच्चों की शिक्षा के साथ उनके विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें ताकि आने वाले भविष्य में इन्हीं बच्चों के मस्तिष्क में आपकी छवि अमिट हो सके । अंत में शिक्षकों सहित सभी कर्मचारियों को उपहार प्रदान किए गए ।

एजुकेट गर्ल्स बनी 2025 का रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय संस्था

भारत की प्रमुख सामाजिक संस्था एजुकेट गर्ल्स को 2025 का रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया हैं। एशिया का यह सर्वोच्च सम्मान पहली बार किसी भारतीय संस्था को मिला है। यह पुरस्कार एजुकेट गर्ल्स को बालिकाओं और युवतियों की शिक्षा के समाज की अतार्किक सांस्कृतिक धारणाओं को चुनौती देने, उन्हें निरक्षरता से मुक्त करने और उन्हें कौशल, हिम्मत और आत्मनिर्भरता देने के लिए दिया गया है।एजुकेट गर्ल्स संस्था अब उस गौरवशाली पंक्ति का हिस्सा बन चुकी है, जिसमें सत्यजीत रे, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, किरण बेदी, विनोबा भावे, दलाई लामा, मदर टेरेसा और ऑस्कर विजेता हायाओ मियाज़ाकी जैसी विश्वप्रसिद्ध विभूतियाँ शामिल हैं। एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन ने कहा, यह उपलब्धि हमारी टीम, बालिका स्वयंसेवकों, पार्टनर्स, समर्थकों और सबसे बढ़कर उन बच्चियों के नाम है, जिन्होंने अपनी सबसे बड़ी ताकत, शिक्षा को फिर से हासिल किया।

ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग ने किया शिक्षकों का सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा, 8 सितंबर। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा 7 सितम्बर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक था ङ्क "TeachersÑ The Builders of Empowered India"। इस आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की भूमिका को केवल शिक्षा तक सीमित न रखकर, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता की श्री नरेंद्र शर्मा, अध्यक्ष बीएनबी स्कूल एसोसिएशन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता, तिल्दा ने। अन्य विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहीं श्रीमती ममता ऐरी, प्राचार्या,

जेबी इंटरनेशनल स्कूल, तिल्दा; श्री भुनश्वर प्रसाद वर्मा, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं योग प्रशिक्षक; तथा बीके नमिता बहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका।

श्री नरेंद्र शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दी जाने वाली ईश्वरीय ज्ञान से अपने पारिवारिक अनुभवों को साझा किया और कहा कि आत्मज्ञान से जीवन में अद्भुत परिवर्तन संभव है। उन्होंने संस्था को मंच पर आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया।

ममता ऐरी मैडम ने अपने संबोधन में छात्रों के पाठ्यक्रम के साथ-साथ उनके चरित्र निर्माण पर विशेष बल दिया। उन्होंने शिक्षकों को समाज निर्माण की नींव बताया और इस सुंदर आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारीज़ टीम का आभार व्यक्त किया।

भुनश्वर प्रसाद वर्मा जी ने अपने शिक्षण अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उनके कई छात्र आज सफल जीवन जी रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे विद्यार्थियों को मानसिक चुनौतियों का सामना करने हेतु मार्गदर्शन दें।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बीके नमिता बहन ने बताया कि आज के युग में शिक्षा को आध्यात्मिकता से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एक आदर्श शिक्षक की पहचान है प्रेमपूर्ण व्यवहार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुशासन, प्रेरणादायी आचरण, तथा सभी विद्यार्थियों को समान दृष्टि से देखना। उन्होंने आत्मा और शरीर के ज्ञान को उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया और आत्मिक-स्थिति में रहने के लाभों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात उन्होंने सभी को राजयोग ध्यान का अनुभव कराया और स्व-संयम के तकनीक साझा की। साथ ही, उन्होंने जानकारी दी कि 10 सितम्बर से तिल्दा केंद्र में शाम 5:30 से 6:30 बजे तक निःशुल्क आध्यात्मिक ज्ञान ध्यान शिविर आयोजित किया जा रहा है।

नए ओवरब्रिज का वादा याद दिलाने कांग्रेस ने किया धरना,प्रदर्शन : कुलबीर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 8 सितंबर। चिखली ओव्हरब्रिज जो खैरागढ़-कवर्धा मुख्य मार्ग को जोड़ती है यातायात के भारी दबाव के चलते दुर्घटना होना आम बात हो गई है। वैसे भी यह ओव्हर ब्रिज लगभग 42 वर्ष हो चुकी है और समय भी खत्म हो चुका है। भाजपा द्वारा चुनावी घोषणा पत्र 2023 में नए ओव्हरब्रिज की घोषणा कर भूल चुकी है उन्हें जगाने व जनता को हो रही परेशानियों को राहत दिलाने शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दूसरे दिन 03 सितंबर बुधवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व खनिज निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन शामिल होकर डा.रमन सिंह द्वारा किए गए वादे को याद

दिलाते हुए अपने घोषणा पत्र के वादे को पूर कर जर्जर ओव्हरब्रिज को तोड़ने व नए ओव्हरब्रिज की निर्माण करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। धरना-प्रदर्शन को वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीकिशन खंडेलवाल, पदम कोठारी, कमलजीत सिंह पिन्टू, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, नरेश डाकलिया, कन्हैया अग्रवाल, वरिष्ठ पार्षद हफीज खान, विवेक वासनिक, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, मनीष गौतम, डा.अरूण देवांगन, मानव देशमुख, भरत सोनी, नीरज कन्नौजे ने संबोधित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व विधायक छन्नी साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी रमेश राठौर, शारदा तिवारी, अंजुम अल्वी, रूपेश दुबे, जिला ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू, पंकज बांधव, इकरामुद्दीन सोलंकी, नत्थुलाल अग्रवाल, प्रेमचंद बाफ्ना, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, सविता ठाकुर, महामंत्री झम्मन देवांगन, नरेश शर्मा, खम्हन लहरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

सब पार्टी के कार्यकर्ता हैं

राजनीतिक पार्टी में नेता का यह काम होता है कि वह पार्टी के लोगों को समय समय पर बताते रहे कि देश सेवा सबसे ऊपर है,पार्टी देश सेवा के लिए है। पार्टी मजबूत रहेगी, जनता का विश्वास जीतती रहेगी तो ही देश सेवा कर सकेगी। पार्टी मजबूत तब ही रहती है जब पार्टी में समानता का भाव होता है, यानी पार्टी में जितने लोग सब समान है, सब पार्टी के कार्यकर्ता है। सबको वह काम करना है जो पार्टी ने उनको सौंपा है। पीएम मोदी ऐसे ही नेता हैं, वह अपने आचार विचार से पार्टी के कार्यकर्ताओं को संदेश देते रहते हैं कि भाजपा में कोई भी किसी भी पद पर रहे, वह पार्टी का कार्यकर्ता है, कोई भी किसी भी पद पर है तो वह पार्टी का कार्यकर्ता होने के कारण है। किसी पद की योग्यता भाजपा में पार्टी का कार्यकर्ता होना है, यानी पार्टी के लिए काम करने वाला। पार्टी जब भी लोकसभा का चुनाव जीतती है तो पीएम मोदी इसका श्रेय भाजपा कार्यकर्ता को देते हैं,इससे भाजपा के कार्यकर्ता अगला चुनाव जीतने के लिए और कड़ी मेहनत करते हैं। हाल ही में भाजपा ने दिल्ली में दो दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया तो इसमें पीएम मोदी चाहते तो पीएम की तरह भी शामिल हो सकते थे,सबको अपने आचरण से बता सकते थे, मैं भाजपा का सबसे बड़ा नेता हूं, मैं देश का पीएम हूं। मैं पहली कुर्सी पर बैठूंगा। उन्होंने ऐसा नहीं किया। वर्कशाप के दौरान वह नेताओं की कतार में सबसे आखिरी कुर्सी पर बैठे दिखे और मंच से जो कुछ कहा गया, उसे सुनते रहे।दूसरे दलों के नेता भले न मानते हों कि पार्टी के लोगों को कुछ बताने व सिखाने की जरूरत है लेकिन पीएम मोदी भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन कर उनको देश के लिए क्या करना है, पार्टी के लिए क्या करना है, सिखाते रहते हैं, बताते रहते हैं। इससे होता यह है कि पार्टी के कार्यकर्ता को मालूम रहता है कि पार्टी उनसे क्या चाहती है, उनको पार्टी के लिए क्या करना है। हर कार्यकर्ता के कार्यकुशल होने से पार्टी का फायदा ही होता है और यह नेता का दायित्व होता है कि वह पार्टी के कार्यकर्ता को कार्यकुशल बनाने का प्रयास करे।

राशिफल

मेष आज आपको लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधानी बरतनी होगी और आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण में करके चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपनी बुद्धि और विवेक से काम लेकर लोगों को हैरान करेंगे। आपको अपने कामों को थोड़ा सामंजस्यता से निपटाने की आवश्यकता है। आप माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। छोटे बच्चे के साथ आपको कुछ समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे आपको कोई टेंशन थी, तो वह दूर हो सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आप अपने कामों में सूझबूझ से आगे बढ़ेंगे। आवश्यक कामों में आप तेजी दिखाएंगे। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। परिवार में किसी सदस्य से आपको खरी खोटी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने आसपास रहने विरोधियों को पहचानने की आवश्यकता है, क्योंकि वह आपके बनते हुए कामों को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें।

मिथुन आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी बड़े लक्ष्य को पकड़ कर चलेंगे, तभी उसे पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आप किसी से धन उधार लेने की ना सोचे और आपकी दी गई सलाह परिवार में किसी सदस्य को काम आएगी, उनको आपका पूरा सहयोग मिलेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई वाद विवाद खड़ा हो सकता है।

कर्क आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपने कर्जों को उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। आध्यात्म के कार्यों में आपकी पूरी रुचि रहेगी और सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा। दान धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी करने को मिल सकती है। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह आज आपको अपने कामकाज पर पूरा ध्यान देना होगा। लेनदेन से संबंधित मामलों में आप सावधानी बरतें। आप किसी काम को लेकर लापरवाही दिखा सकते हैं। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप किसी काम को लेकर दूसरे पर निर्भर ना रहें। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा और आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

कन्या आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनों से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। सभी का सहयोग आप पर बना रहेगा। आप अपने व्यवहार से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे और आपकी संतान की पढ़ाई लिखाई में कोई समस्या आ रही थी, तो उसे भी आप दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको आज अपने आसपास से रह रहे लोगों को बिना मांगे सलाह देने से बचना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को पूरी धैर्य से निपटाने की आवश्यकता है। आपको किसी से उधार का लेनदेन करने से बचना होगा। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आप किसी नौकरी से संबंधित काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। आप अपने बॉस को यदि कोई सुझाव देंगे, तो वह उस पर अमल अवश्य करेंगे। राजनीति की ओर कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपकी आय में वृद्धि होगी। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपको अपने निजी मामलों को घर से बाहर नहीं जाने देना है। यदि आपने किसी सरकारी योजना में इन्वेस्टमेंट करने का सोचा है, तो वह आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें।

धनु आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आप परिवार में किसी सदस्य से बहसबाजी में ना पड़ें। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई मामला विवादित था, तो उसमें भी आपको काफी मेहनत मशक्कत करनी पड़ेगी। भगवान के भक्तों में आपका काफी मन लगेगा। आप अपनी जरूरत की आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, लेकिन आपको किसी पारिवारिक कलह को दूर करके चलने की आवश्यकता है।

मकर आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। आज आपके रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप कहीं बाहर घूमने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप सबको साथ लेकर चलने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको अपने वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं को बातचीत के जरिए दूर करने की कोशिश करनी होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सम्मान की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को दूर करने की आवश्यकता है। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। माता-पिता आपके कामो में आपका पूरा सहयोग देंगे और उनकी सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

मीन आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आप अपनी कला और कौशल में निखार लायेंगे, जिससे आपके सहयोगी भी काफी खुश होंगे और आपको अपने बॉस का पूरा समर्थन मिलेगा। जीवनसाथी को नौकरी से लेकर समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अपने कामों पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आने से आपका मन काफी खुश रहेगा और आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे।

जीएसटी पर सियासत या राहत

डॉ सत्यवान सौरभ

जीएसटी लागू होने के बाद सरकार ने नौ साल तक ऊँची दरों को ज़रूरी बताते हुए उनके फायदे गिनाए। अब दरें घटाने पर वही तर्क उलटे रूप में दिए जा रहे हैं। नवरात्र से लागू होने वाली टैक्स राहत निश्चित रूप से उपभोक्ताओं और व्यापार जगत के लिए सकारात्मक संदेश है, परंतु नीतियों में यह विरोधाभास जनता के विश्वास को कमजोर करता है। टैक्स नीति को राजनीति या त्योहारों से जोड़ने के बजाय दीर्घकालिक दृष्टि से स्थिर और न्यायपूर्ण बनाना ज़रूरी है, ताकि "एक देश, एक टैक्स" की असली भावना सार्थक हो सके।

भारतीय कर व्यवस्था में वर्ष 2017 से लागू हुआ जीएसटी यानी "गुड्स एंड सर्विस टैक्स" उस समय एक ऐतिहासिक सुधार माना गया था। इसे "एक देश, एक टैक्स" की संकल्पना के रूप में प्रस्तुत किया गया और जनता को विश्वास दिलाया गया कि इससे कर व्यवस्था सरल होगी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। शुरुआत में ही सरकार और उसके आर्थिक सलाहकारों ने ऊँचे टैक्स की दरों को जायज़ ठहराते हुए बताया था कि यह राष्ट्रहित में है और दीर्घकाल में इससे राजस्व बढ़ेगा, विकास दर तेज़ होगी तथा राज्यों को भी मज़बूती मिलेगी। लेकिन बीते नौ वर्षों में जनता ने देखा कि जीएसटी का बोझ केवल आम उपभोक्ताओं पर बढ़ता गया। ज़रूरी सामानों से लेकर रोज़मर्रा की वस्तुओं पर टैक्स दरें ऊँची बनी रहीं। महँगाई लगातार बढ़ती रही और हर घर का बजट बिगड़ता गया। व्यापारी समुदाय ने भी कई बार शिकायत की कि जीएसटी की जटिल व्यवस्था और ऊँचे टैक्स स्लैब ने उनके कारोबार को प्रभावित किया। छोटे और मझोले उद्योगों को तो कई बार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ी। अब अचानक वही सरकार यह कह रही है कि जीएसटी की दरें घटाई जाएंगी और इससे जनता को सीधी राहत मिलेगी। नवरात्र के अवसर पर इस घोषणा को "टैक्स राहत की दिवाली" कहा जा रहा है। निश्चित ही यह कदम आम उपभोक्ता के लिए सुकून भरा संदेश है। जूते, कपड़े, टीवी, डीटीएच जैसी वस्तुओं पर टैक्स घटाना हर परिवार को सीधे प्रभावित करेगा। लोग त्योहारों के समय खरीदारी कर पाएंगे और बाज़ार में चहल-पहल बढ़ेगी। लेकिन सवाल यह उठता है कि जो तर्क पहले ऊँचे टैक्स के समर्थन में दिए गए थे, वही तर्क आज घटाने के समर्थन में क्यों दिए जा रहे हैं? यह विरोधाभास केवल टैक्स दरों तक सीमित नहीं है। यह सरकार की आर्थिक नीतियों की सोच पर भी सवाल खड़े करता है। अगर ऊँचे टैक्स ही विकास का आधार थे, तो नौ साल बाद अचानक उन्हें कम करना कैसे विकास के लिए आवश्यक हो गया? और यदि वास्तव में कम टैक्स से बाज़ार और जनता को राहत मिल सकती है, तो इतने वर्षों तक जनता को ऊँचे टैक्स का बोझ क्यों झेलना पड़ा? आम नागरिक इन सवालों का जवाब चाहता है। वह देख रहा है कि टैक्स नीतियाँ कई बार राजनीति और चुनावी रणनीतियों से जुड़कर बदल जाती हैं। त्योहारों के अवसर पर टैक्स कटौती की घोषणा निश्चित रूप से लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन क्या यह दीर्घकालिक समाधान है? कर नीति को समय-समय पर बदलना और हर बार इसे जनता के हित में बताना, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है। आज जब सरकार कहती है कि टैक्स घटाने से अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिलेगी, तो यह बात सही भी है। टैक्स बोझ कम होने पर लोगों की क्रयशक्ति बढ़ती है, उपभोग बढ़ता है और बाज़ार में रौनक आती है। इससे उत्पादन बढ़ता है और रोजगार सृजन भी होता है। लेकिन फिर वही प्रश्न—तो इतने वर्षों तक टैक्स ऊँचे रखकर किस उद्देश्य को साधा गया? क्या उस दौरान जनता केवल राजस्व संग्रह की मशीन बनकर रह गई? सच्चाई यह है कि भारत जैसे विकासशील देश में कर नीति केवल राजस्व जुटाने का साधन नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक संतुलन का आधार भी होनी चाहिए। ज़रूरी सामानों और रोज़मर्रा की वस्तुओं पर टैक्स बोझ कम से कम रखा जाना चाहिए ताकि गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिले। जबकि विलासिता की वस्तुओं पर अपेक्षाकृत ऊँचे टैक्स लगाए जा सकते हैं। लेकिन पिछले वर्षों में हमने देखा कि कई बार यह संतुलन बिगड़ गया और आम नागरिक की जेब पर सीधा असर पड़ा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि टैक्स में राहत से सरकार के राजस्व पर भी असर पड़ता है। जब राजस्व घटता है तो सरकार या तो घाटा बढ़ाती है या फिर कहीं और से वसूली करती है। ऐसे में जनता को राहत वास्तव में कितनी मिलती है, यह भी एक बड़ा प्रश्न है। यदि बिजली, ईंधन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधे या परोक्ष रूप से टैक्स का बोझ बना रहेगा, तो बाकी वस्तुओं पर टैक्स घटाने का असर सीमित ही होगा।

जीएसटी के नाम पर जिस "एक देश, एक टैक्स" का सपना दिखाया गया था, वह आज भी अधूरा है। अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग स्लैब, राज्यों की शिकायतें, जटिल रिटर्न फाइलिंग और बार-बार नियमों का बदलना, ये सब मिलकर इसे जटिल बनाते रहे हैं। अब जबकि टैक्स दरों को घटाने का निर्णय लिया गया है, तो ज़रूरत इस बात की है कि इसे केवल त्योहारों तक सीमित राहत न बनाया जाए, बल्कि पूरी व्यवस्था को स्थिर और संतुलित बनाया जाए।

सरकार को चाहिए कि वह टैक्स नीतियों को राजनीति से ऊपर उठाकर, दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि से तय करे। लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि टैक्स वास्तव में राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान है, न कि केवल बोझ। इसके लिए आवश्यक है कि टैक्स से मिलने वाले राजस्व का सही और पारदर्शी उपयोग हो। यदि जनता देखेगी कि उसके द्वारा दिए गए टैक्स का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना पर हो रहा है, तो वह टैक्स चुकाने में संकोच नहीं करेगी। आज की टैक्स राहत का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी उठाना ज़रूरी है कि क्या यह केवल तात्कालिक आकर्षण है या फिर एक दीर्घकालिक सुधार की शुरुआत। जीएसटी जैसे बड़े सुधार को राजनीति और चुनावी लाभ से जोड़कर देखने के बजाय इसे जनता और अर्थव्यवस्था के वास्तविक हित में आगे बढ़ाना होगा। तभी वास्तव में "टैक्स राहत की दिवाली" हर नागरिक के जीवन में रोशनी ला सकेगी।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था- "प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।" यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी।

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें।

प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

नैनीताल से लगभग 50 किमी दूरी पर स्थित है ये प्रसिद्ध शिव मंदिर

घूमक्कड़ लोग घूमने के लिए नई-नई जगहें खोजतें रहते हैं। अगर आप भी नैनीताल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इस शिव मंदिर का दर्शन जरुर करें। नैनीताल में घूमने के लिए कई सारे स्थल मौजूद है। यदि आप नैनीताल जा रहे हैं, तो आप इस मंदिर का दर्शन जरुर करें। यहां पर श्रृद्धालुओं का तांता लगा रहता है। यह मंदिर भगवान शिव के मुख्य मंदिरों में से एक है, यहां पर टूरिस्ट जरुर दर्शन करने आते हैं। आजकल ज्यादातर लोग पहाड़ों पर घूमने के काफी शौकीन होते हैं। अगर आप भी पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं या फिर आप नैनीताल जा रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। नैनीताल में स्थित यह मंदिर टूरिस्ट के बीच बेहद लोकप्रिय है। दूर-दूर से लोग इस मंदिर का दर्शन जरुर करने आते हैं। भगवान शिव के इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं। बाबा भोलेनाथ के कुल 18 मुख्य मंदिरों में इस मंदिर की गिनती है। नैनीताल से केवल 50 किलोमीटर की दूरी पर बसा है मुक्तेश्वर महादेव का मंदिर। हरे-भरे पहाड़ों की ऊंची चोटी पर बना मुक्तेश्वर महादेव मंदिर महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर में

स्थापित शिवलिंग का इतिहास पांडवों के समय का है। आइए आपको बताते हैं कहां पर स्थापित है यह मंदिर। नैनीताल से करीब 50 किमी की दूरी पर मुक्तेश्वर महादेव मंदिर टूरिस्ट के लिए आकर्षक केंद्र माना जाता है। इस मंदिर में मौजूद शिवलिंग बेहद ही प्राचीन माना जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार मुक्तेश्वर महादेव मंदिर लगभग 5350 साल पुराना है। इसे पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान बनवाया था। इस मंदिर में शिवलिंग के साथ-साथ भगवान हनुमान, श्री विष्णु और पार्वती माता की भी मूर्तियां भी स्थापित हैं। यहां पर साधु-संतों का आश्रम भी स्थित है। इस मंदिर में साधु मुक्तेश्वर महाराज की समाधि भी मौजूद है। जिनके शिष्य इस मंदिर से सटे एक कमरे में रहते हैं। मुक्तेश्वर महादेव मंदिर 2312 मीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। यह मंदिर नैनीताल जिले में स्थित है।

सू-दोकू-164

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.163 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

एक नजर

बस्तर में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावित, विधायक ने शासन को लिखा पत्र

बस्तर, 8 सितंबर। बस्तर विधायक श्री लखेश्वर बघेल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त की है इस संबंध में उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर तत्काल पहल करने की मांग की है। विधायक श्री बघेल ने बताया कि 18 अगस्त 2025 से एनएचएम अधिकारी व कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं उनकी प्रमुख मांगों में नियमितिकरण, वेतनमान वृद्धि, डी.ए., मेडिकल अवकाश एवं पेंशन जैसी सुविधाएँ शामिल हैं लंबे समय से चल रही हड़ताल के कारण बस्तर जिले सहित पूरे संभाग की स्वास्थ्य सेवाएँ पूरी तरह प्रभावित हो चुकी हैं। श्री बघेल ने कहा कि हड़ताल के चलते जिले के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में ताले लटक गए हैं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएँ लगभग ठप हो चुकी हैं मरीजों को उचित उपचार नहीं मिल पा रहा है और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोग भटक रहे हैं यह स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जीएसटी सुधार राहत देने वाला कदम : आशाराम नेताम

कांकेर, 8 सितंबर। देश में हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को लेकर राजनीतिक और आर्थिक हलकों में व्यापक चर्चा हो रही है। इन सुधारों को आम जनता, उद्योग जगत, कारोबारियों और राज्य सरकारों के लिए राहतकारी कदम माना जा रहा है। कांकेर विधानसभा के विधायक आशाराम नेताम ने इन सुधारों का स्वागत करते हुए विस्तृत प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में आए बदलावों से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय व्यापार, कृषि क्षेत्र और आदिवासी अंचलों में भी सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि वर्ष 2017 में लागू हुआ जीएसटी देश की कर व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव था। शुरुआत में इसके जटिल प्रावधानों के कारण छोटे कारोबारियों, किसानों और सामान्य उपभोक्ताओं को दिक्कतें आईं। लेकिन लगातार सुधारों और अनुभवों के आधार पर अब सरकार ने कई सरलीकरण किए हैं। अब कर दरों को तर्कसंगत बनाया गया है। छोटे व्यापारियों को अनुपालन के बोझ से राहत दी गई है। ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया सरल हुई है। राज्यों के हिस्से के राजस्व पर भी ध्यान दिया गया है। उन्होने कहा कि सुधारों के बाद अब दवाइयाँ, कृषि उपकरण, दैनिक उपभोग की वस्तुएँ और शिक्षा से जुड़ी सेवाएँ सस्ती होंगी। आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

नगरपालिका के आठ कॉम्प्लेक्स की हुई नीलामी

कोण्डागांव, 8 सितंबर। शासन के निर्देशानुसार निकाय को अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद कोंडागांव में परिषद मद से मटन मार्केट में आठ कॉम्प्लेक्स बनाया गया है, जिसकी नीलामी गुरूवार को नगर पालिका में रखी गयी। नीलामी में 36 बोलीदारों ने भाग लिया और आठ दुकान की नीलामी की गई। जिसमें नगर पालिका को 50 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी, पार्षद संतोष पात्र, हर्ष ढिल्लन, सुषमा, सोनमणि, ललित देवांगन, सोनसिंह तथा सीएमओ दिनेश डे एवं अधिकारी कर्मचारी सहित नगरवासी भी उपस्थित रहे।

गुंजेपर्ती के जंगलों में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

जंगल से विस्फोटक और हथियार बनाने के उपकरण बरामद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 8 सितंबर। नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। उसूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुंजेपर्ती के घने जंगलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान माओवादियों द्वारा छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और हथियार निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण बरामद किए गए। बरामद सामग्री को सुरक्षाबलों ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया।

इस संयुक्त अभियान में कोबरा 205, केरिपु 196 यंग प्लाटून बस्तरिया और केरिपु 229 की टुकड़ियाँ शामिल थीं। कार्रवाई के दौरान बरामद सामान में लेथ मशीन, इलेक्ट्रिक जनरेटर, वाटर पम्प, इलेक्ट्रिक कटर, हाइड्रोलिक सिलेंडर, जैक, स्पूलर, मोटर पार्ट्स, स्टील प्लेट्स, वायर, टूल बॉक्स, ड्रिल बिट्स और अन्य औद्योगिक उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा विस्फोटक निर्माण सामग्री और दवाइयाँ भी भारी मात्रा में मिलीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि माओवादी इन उपकरणों और विस्फोटक सामग्रियों का इस्तेमाल किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए कर सकते थे। हालांकि, सुरक्षाबलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते उनकी यह योजना पूरी तरह विफल हो गई।

सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव से माओवादी बैकफुट पर है ऐसे में इस बरामदगी को माओवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। गौरतलब है कि बीजापुर और उसके आसपास के जंगल लंबे समय से माओवादी गतिविधियों का गढ़ रहे हैं। यहाँ बार- बार सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की घटनाएँ होती आ रही हैं।

लेकिन इस तरह की भारी- भरकम औद्योगिक और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदगी से यह साफ हो रहा है कि माओवादी किसी बड़े घटना की योजना बना रहे थे।

आपसी विवाद में युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 8 सितंबर। जिले के जांगला थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 26 अगस्त का है, जब गंगालूर क्षेत्र के ग्राम गोंगला निवासी सुरेश उज्जी का शव ग्राम पोटेनार के पास पहाड़ी मार्ग पर मिला था। मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए थे, जिससे यह स्पष्ट था कि उसकी हत्या किसी ठोस वस्तु से की गई है। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्या की गुत्थी पारिवारिक विवाद और आपसी रंजिश से जुड़ी हुई निकली। जांच में सामने आया कि 23 अगस्त को खाना खाने के दौरान हुए विवाद में पोटेनार निवासी बामन सोढ़ी (24 वर्ष) ने सुरेश उज्जी पर पत्थर से हमला कर उसकी जान ले ली थी। पुलिस ने जब बामन सोढ़ी से पूछताछ की, तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद कर लिया गया है। थाना जांगला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है।

मांदर के स्कूली बच्चों को शिक्षक दिवस पर मिला तोहफा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 8 सितंबर। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत मांदर में हाल ही में आई बाढ़ त्रासदी ने जहाँ ग्रामीणों को भारी नुकसान पहुँचाया, वहीं स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह प्रभावित हुई। बाढ़ की चपेट में आने से अनेक बच्चों की किताबें, कॉपियाँ और अन्य पाठ्य सामग्री नष्ट हो गई। इसी परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए चन्दैय्या मेमोरियल मेथोडिस्ट एपिस्कोपल चर्च (लाल चर्च) जगदलपुर की ओर से एक सराहनीय पहल की गई।

चर्च के सदस्यों द्वारा शिक्षक दिवस, 05 सितंबर 2025 को ग्राम मांदर स्थित प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के छात्र-छात्राओं को स्कूली सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर बच्चों को स्कूली बैग, पेन सेट, पेंसिल सेट और आवश्यक अध्ययन सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिक्षकगण, सरपंच एवं सचिव उपस्थित रहे। बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता झलक रही थी, वहीं अभिभावकों ने चर्च के इस मानवीय कदम का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से चर्च के धर्मगुरु लॉरेन्स दास, अध्यक्ष प्रवीण लाल, सचिव रजनीन्द्र डेनियल, फाइनेंस अध्यक्ष शैलेष दास, सदस्य सुभाष जॉन एवं अजय टाइटस विशेष रूप से मौजूद रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों में सरपंच, सचिव और शिक्षकों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए। गौरतलब है कि बस्तर जैसे आदिवासी अंचल में शिक्षा को लेकर लगातार चुनौतियाँ बनी रहती हैं। ऐसे में चर्च जैसे सामाजिक और धार्मिक संगठनों का सहयोग न सिर्फ बच्चों के लिए संबल का कार्य करता है, बल्कि समाज को शिक्षा के महत्व का संदेश भी देता है।

थाने से 100 मीटर दूरी पर बड़ी वारदात

भैरमगढ़ में सोनार की दुकान से लाखों की चोरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 8 सितंबर। रविवार देर रात भैरमगढ़ में अज्ञात चोरों ने बीच बस स्टैंड स्थित ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर लाखों का सामान पार कर लिया। यह घटना भैरमगढ़ थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर हुई है। चोरों ने पास की दो अन्य दुकानों में भी सेंध लगाने का प्रयास किया, लेकिन वहां सफल नहीं हो पाए। सोमवार सुबह चोरी की घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने विरोधस्वरूप अपनी सभी दुकानें बंद रखीं। व्यापारियों का कहना था कि जब तक पुलिस चोरों को पकड़कर कार्रवाई नहीं करती, तब तक दुकानें नहीं खोली जाएंगी।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। व्यापारियों के विरोध को देखते हुए भैरमगढ़ पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि चोरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के हवाले किया जाएगा। पुलिस की बातों पर भरोसा जताते हुए व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोलने का निर्णय लिया। थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर हुए चोरी पर नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारीयों कहा है कि पुलिस को रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

यादव ठेठवार समाज रायपुर की बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 सितंबर। यादव ठेठवार समाज रायपुर महानगर इकाई की आवश्यक बैठक दिनांक 07 सितम्बर 2025, रविवार को यादव ठेठवार भवन, गोवर्धन चौक, पुरानी बस्ती रायपुर में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देव भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना से की गई। बैठक में समाज के पदाधिकारी, गणमान्यजन, महिलाएँ और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में विधायक निधि से निर्माणाधीन यादव ठेठवार भवन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई और भवन को शीघ्र पूर्ण कर समाज की गतिविधियों के लिए उपयोग में लाने का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में समाज के वार्षिक अधिवेशन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। यह निर्णय लिया गया कि यदि प्रशासनिक अनुमति एवं राज-पार की स्वीकृति प्राप्त होती है तो परिचय सम्मेलन इस वर्ष समाज की गरिमा के अनुरूप, भव्य स्तर पर और धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा समाज के विभिन्न सामाजिक आवेदनों एवं समस्याओं पर भी गंभीरता से चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से गंगापुर का घर हुआ रोशन

अम्बिकापुर, 8 सितंबर। प्रकृति ने जीवन दिया है और उस जीवन को संचारित करने के लिए ऊर्जा भी। आज जब पारंपरिक ऊर्जा स्रोत लगातार घटते जा रहे हैं और प्रदूषण गंभीर चुनौती बन गया है, ऐसे समय में सौर ऊर्जा आशा की किरण बनकर उभरी है। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना इसी दिशा में एक पहल है।

अम्बिकापुर के गंगापुर निवासी अनुप कुमार कोचेटा इसका एक सफल उदाहरण हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अनुप ने बताया कि पहले उनके घर की औसत खपत लगभग 300 यूनिट प्रतिमाह थी। योजना का लाभ उठाने के बाद महज 22 दिनों में ही 300 यूनिट बिजली का उत्पादन सोलर रूफटॉप से हो गया। इस वजह से उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 2 लाख 5 हजार रुपए आई है। इस पर केंद्र सरकार से 78,000 रुपए की सब्सिडी और राज्य सरकार से 30,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता मिल रही है। इस प्रकार उन्हें कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सहायता राशि वापस मिलेगी।

भाजयुमो सत्ता का दुरुपयोग कर डराने का प्रयास कर रही:आकाश

रायपुर, 8 सितम्बर। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस ने आज राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से भाजपा और उसके युवा मोर्चा की राजनीति पर बड़ा हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया पर उनके ही चाचा ने गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं, जिसने पूरे प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। यह मामला केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि स्वयं उनके चाचा ने थाना और न्यायालय तक जाकर शिकायत दर्ज करवाई। इसके बावजूद राहुल टिकरिया और भाजयुमो ने बेशर्मी की हद पार करते हुए कांग्रेस पार्टी पर ही आरोप लगाने की कोशिश की। जब कांग्रेस, युवा कांग्रेस और हस्ट्ठ के कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर पहले से वायरल सामग्री को साझा किया, तो भाजयुमो ने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए प्रदेशभर में हमारे कार्यकर्ताओं पर झूठी एफआईआर दर्ज कराना शुरू कर दिया। आकाश शर्मा ने कहा- यह लोकतांत्रिक परंपराओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। भाजपा सत्ता और पुलिस का इस्तेमाल कर आम कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। लेकिन युवा कांग्रेस किसी भी कीमत पर पीछे हटने वाली नहीं है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर सुधा सोसायटी फाउंडेशन ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर, 8 सितंबर। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1 से 7 सितंबर) के अवसर पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने 7 सितंबर को सुधा ओपन स्कूल, अमासेओनी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया और संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा। कार्यक्रम में फाउंडेशन के चेयरमैन जीके भटनागर, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता चौधरी, स्वयंसेवक श्रीमती रीमा आचार्य, शिक्षिका श्रीमती भारती और मिस खुशी यादव उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को पोषण की आवश्यकता और कुपोषण से बचाव पर विस्तार से जानकारी दी। सत्र के दौरान बच्चों को अंकुरित मूंग, बिस्किट, गुड़, चना और केला जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। यह व्यवस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा सुनीता चौधरी, प्राची अग्रवाल और मौसम अग्रवाल के सहयोग से की गई। बच्चों ने इनका आनंद लिया और स्वस्थ भोजन अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में बच्चों को खासतौर पर फास्ट फूड से परहेज करने और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में पोषण और स्वस्थ जीवनशैली की अहमियत को उजागर करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और मजबूत बन सके।

सुलगी में ईसाई समाज के लोगों की एंट्री पर बैन

बढ़ते धर्मांतरण मामलों के बीच लोगों का बड़ा फैसला

कांकेर, 8 सितंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में लगातार बढ़ते धर्मांतरण मामलों के बीच ग्रामीणों ने बड़ा फैसला लिया है. 20 गांव के समाज प्रमुखों ने रविवार को सुलगी गांव में अहम बैठक की, जिसमें धर्मांतरण से प्रभावित हो रही रीति-रिवाज को संरक्षित करने के लिए चर्चा की गई. बैठक में ईसाई समाज के लोगों का गांव में प्रवेश वर्जित करने का फैसला किया गया. इसके लिए ग्राम सभा में बकायदा प्रस्ताव पारित कर सुलगी के प्रवेश द्वार में बोर्ड भी लगा दिया गया है. मिली जानकारी के अनुसार, सुलंगी गांव में 16 परिवार के लोग दूसरे धर्म को मानने लग गए हैं, जिसमें दो परिवार को वापस मिलाया गया है. 14 परिवार अभी भी दूसरे धर्म का अनुसरण कर रहे हैं. जिसके चलते गांव और आदिवासी समाज के रीति रीवाजें प्रभावित हो रही हैं. साथ ही गांव का माहौल भी खराब हो रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि यह विरोध ईसाई धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि गांव के भोले-भाले लोगों के हो रहे धर्मांतरण के खिलाफ है. बोर्ड में ग्रामीणों ने लिखा है कि पेशा अधिनियम 1996 लागू है, जिसके नियम चार घ के तहत सांस्कृतिक पहचान और रुढ़ीवादी संस्कृति के संरक्षण का अधिकार प्राप्त है. ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आदिवासियों को प्रलोभन देकर उनका मतांतरण कराना हमारे संस्कृति को नुकसान पहुंचाने के साथ आदिम संस्कृति को खतरा है. ग्राम सभा के प्रस्ताव के आधार पर सुलंगी गांव में ईसाई धर्म के पास्टर, पादरी और बाहर गांव से आने वाले मतांतरण व्यक्तियों का धर्मिक और धर्मांतरण आयोजन के उद्देश्य से प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है.

पेवर ब्लॉक की सफाई करवाने नपं अध्यक्ष ने विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

लोगों ने की थी पेवर ब्लॉक की सफाई न होने की शिकायत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम, 8 सितम्बर। गीदम नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर स्थित दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

दुकानदारों ने उन्हें बताया कि गुमडा चौक से नगर पंचायत कार्यालय तक बिछाए गए पेवर ब्लॉक के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी सफाई नहीं करवाई गई है। इसके चलते मुख्य मार्ग के दोनों किनारों पर पेवर ब्लॉक पर कचरा जमा हो गया है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत गीदम अध्यक्ष रजनीश सुराना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित पीब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को तुरंत सफाई करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी प्रकार के गुणवत्ताविहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी विभाग द्वारा किए गए कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व में घटिया निर्माण कार्य पर उनकी नाराजगी के बाद ठेकेदार द्वारा पेवर ब्लॉक को तोड़कर पुनः गुणवत्ता युक्त निर्माण किया गया था। आम लोगों का मानना है कि नगर पंचायत अध्यक्ष की यह सक्रियता और जिम्मेदारी का उनका यह रवैया स्थानीय प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

> गीदम नाका के पास संचालित मंडल मेडिकल के संचालक विधान मंडल ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 63 में 47 लाख की लागत से लगाए नए पेवर ब्लॉक का कार्य पूर्ण होने के बाद भी अभी तक सफाई नहीं हुई है। जिससे उनके दुकान के सामने पेवर ब्लॉक में कचरा जमा हुआ है।

> वहीं मुख्य मार्ग में रहने वाले कृष्ण चंद्र अवस्थी ने बताया कि ठेकेदार द्वारा कार्य पूर्ण होने के बाद भी सफाई नहीं करवाने के कारण पेवर ब्लॉग लगाए जाने का मकसद पूरा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा इस मामले से नगर पंचायत अध्यक्ष को अवगत कराया है। विभागीय अधिकारियों को इस पर शीघ्र ही ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास सहित विभागीय योजनाओं से लाभान्वित हुई वाल्बा नरसू

बीजापुर 08 सितंबर। हमारे आस-पास ऐसी बहुत सी महिलाएं देखने को मिल जाती हैं, जो जीवन में चुनौतियों का सामना करते हुए मजबूत बनी है। महिलाओं में अद्वितीय संघर्ष क्षमताएं हैं, ऐसे ही संगमपल्ली निवासी एकल महिला श्रीमती वाल्बा नरसू की कहानी हैं। पति के मृत्यु उपरांत अपने दूधमुहें बच्चे के साथ झोपड़ी और टपकती छत में पक्के आवास का सपना और अपने बच्चे को पालन -पोषण करने के साथ ही पढ़ाने-लिखाने की चुनौती आसान नहीं थी। श्रीमती वाल्बा नरसू की इस संघर्ष में साथ मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का। आवास मिलने की खुशी उनके आंखों में झलकती है, श्रीमती वाल्बा नरसू ने अपने आवास को प्यार से सजाया है, साफ-सुथरा घर, आंगन में गेंदे के फूल की खुशबू सुखद एहसास देते हैं। श्रीमती वाल्बा नरसू की शादी 2005 में हुई थी, इनके पति स्व श्री वाल्बा सुबैया की मृत्यु 2016 में हो गई। पति खोने को दुख तो था ही साथ में पुत्र अंसुमन के लालन-पालन की जिम्मेदारी भी थी। नरसू बताती हैं उन दिनों उनके पास कच्ची मिटटी का मकान था, जिसमें बारिश के दिनों में छत टपकने के साथ सांप - बिच्छू का भी भय बना रहता था। टपकती छत के नीचे बच्चे को गोद में लेकर रोती थी कि अंसुमन के पिता होते तो हम लोग भी अपना पक्का मकान बनाकर ठीक से रहते। मेरे आधा एकड़ खेत है जिसमें मै धान लगाती हूं एवं मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रही थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से 1 लाख 30 हजार रूपये की लागत से आवास की स्वीकृति मिली। जैसे ही पहली किश्त मिली मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, चूंकि मेरी वर्षों पुराने सपने के साकार होने का समय आ गया था। मैं जल्द से जल्द आवास बनाने के लिए काम शुरू किया। जैसे जैसे आवास बनने लगा वैसे वैसे किश्त की राशि भी मेरे खाते में आती गई। आवास के साथ मुझे शौचालय भी स्वीकृत हुआ है।

एक नजर

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक की कोरबा को मिली मेजबानी

कोरबा 8 सितंबर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 10 सितंबर को कोरबा प्रवास पर आ रहे हैं। वे 10 सितंबर को प्रातः 11 बजे कलेक्टोरेट सभागार में में आयोजित मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उनके साथ लगभग 100 आमंत्रित सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य बैठक में शामिल होंगे। उक्त अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक को सफल बनाने गरिमामय आयोजन में मेजबान कोरबा जिला प्रशासन आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है।

श्रम विभाग के सहयोग से न्यूज बॉय के लिए एक शिविर का आयोजन

कोरबा 8 सितंबर । न्यूज पेपर एजेंट एसोसिएशन निहारिका के तत्वाधान में श्रम विभाग के सहयोग से न्यूज बॉय के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में, घर-घर न्यूज पेपर डिलीवरी करने वाले न्यूज बॉय को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा लाभकारी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।श्रम विभाग कोरबा द्वारा न्यूज बॉय के लिए ई-श्रम कार्ड बनाया गया। लेबर इंस्पेक्टर श्रीमती सरस्वती बंजारे ने अधिक से अधिक असंगठित कर्मकारों को राज्य और केंद्रीय योजनाओं की जानकारी दी। इस शिविर में सत्येंद्र वर्मा, कुलदीप कुमार, संदीप केशवानी, पंकज धर दीवान, प्रदीप गुप्ता, आशीष गुप्ता, उमेश गुप्ता, जावेद, रामनारायण यादव, तपेश्वर राठौर, पतरस सिंग, राधे यादव, मनीष कौशिक, राहुल साहू, बबलु, भरत पांडे और अन्य साथी उपस्थित थे। श्रम विभाग कोरबा की टीम लेबर इंस्पेक्टर श्रीमती सरस्वती बंजारे, पंकज भारद्वाज, महेश राठौर का सराहनीय योगदान रहा।

कोरबा में पिटाई, 2 छात्राओं पर हमले

कोरबा 8 सितंबर। बदलते समय के साथ युवाओं की सोच में आए बदलाव ने आक्रामकता को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण मारपीट जैसी घटनाएं आम बात हो गई हैं। इसी कड़ी में पंप हाउस क्षेत्र के निवासी घर के बाहर हो रहे विवाद को देखने पहुंचे, तो 15 से 20 युवकों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी और ब्लेड से गले पर हमला कर दिया।जानकारी के अनुसार घायल युवक ने सीएसईबी चैकी पहुंच शिकायत दर्ज करायी है। इस घटना के अलावा, कोरबा में दो छात्राओं पर भी हमला होने की भी खबर है। दोनों ही मामले सीएसईबी चैकी के बताये जा रहे हैं।

बस्तर जिला कांग्रेस शहर ग्रामीण के संयुक्त नेतृत्व में भाजपा मंत्री केदार कश्यप का फूंका पुतला

भाजपा मंत्री का शासकीय कर्मी से मारपीट करना ओछी मानसिकता:सुशील मौर्य

जगदलपुर, 8 सितंबर। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण के संयुक्त नेतृत्व में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला के नेतृत्व में बीती रात जगदलपुर सर्किट हाउस में कमरा नहीं खोलने पर लकवाग्रस्त चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी खितेंद्र पांडे को छत्तीसगढ़ शासन में भाजपा वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप के द्वारा अभद्र भाषा और पिटाई के खिलाफ मंत्री केदार कश्यप कि बर्खास्तगी को लेकर राजीव भवन के समक्ष पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया ....

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने बताया सर्किट हाउस,जगदलपुर में बीती रात भाजपा सरकार में मंत्री केदार कश्यप द्वारा की गई मारपीट की घटना बेहद निंदनीय सत्ता में मदमस्त मंत्री श्री केदार कश्यप ने बीती रात केवल सर्किट हाउस में कमरा नहीं खोले जाने को लेकर कर्मी को गाली गलौज कर उसके साथ मारपीट की। एक लकवाग्रस्त और गरीब चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी के साथ ऐसा बर्ताव मंत्री महोदय केदार कश्यप के तानाशाही और भाजपा सरकार के चाल चरित्र चेहरा को उजागर किया है यह घटना लोकतांत्रिक प्रणाली और प्रशासनिक गरिमा के खिलाफ एक गंभीर मामला है साथ ही बेहद शर्मनाक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मामले की निष्पक्ष जांच कर मंत्री केदार कश्यप को मंत्री पद से बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। मंत्री पद पर रहते हुए एक चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार है तो सोचिए प्रदेश के अन्य कर्मचारी और जनता के साथ क्या होगा. !मां के सम्मान में बिहार बंद कराने वाली भाजपा मंत्री अपने शर्मनाक कृत्य के लिए सार्वजनिक माफी मांगे । जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा मंत्री केदार कश्यप द्वारा गेस्ट हाउस के गरीब कर्मचारी हितेंद्र और उसकी मां का अपमान करना न केवल अमानवीय है, बल्कि हमारे सामाजिक मूल्यों पर भी गहरी चोट है।प्रधानमंत्री मोदी जी बार-बार मां को देश की मां बताते हैं, परंतु सवाल यह है कि गरीब कर्मचारी हितेंद्र की मां के सम्मान का क्या? क्या मां का सम्मान केवल भाषणों तक ही सीमित है और धरातल पर भाजपा मंत्री आमजन की माताओं का अपमान करेंगे?कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करना चाहती है कि भाजपा को अपने इस शौकीन मंत्री की हरकत का जवाब देना होगा। जनता जानना चाहती है कि आखिर गरीब की मां और बहन का अपमान करने वाले मंत्री पर कार्रवाई कब होगी।इस दौरान प्रभारी शकील रिजवी, पूर्व विधायक चंदन कश्यप,महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, प्रभारी महामंत्री जाहिद हुसैन,राष्ट्रीय प्रवक्ता जावेद खान,युवा कांग्रेस अध्यक्ष अजय बिसाई, एनएसयूआई अध्यक्ष विशाल खंबारी, वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ला, रामशंकर राव, महामंत्री निकेत झा,सुषमा सुता, जिला उपाध्यक्ष सेमीयल नाथ,गौरनाथ नाग,सहदेव नाग, हनुमान द्विवेदी, रविशंकर तिवारी, वीरेंद्र परिहार, गोपाल शर्मा, पार्षद सूर्यापानी, ललिता राव, कमलेश पाठक, असीम सुता,अनुराग महतो, संदीप दास,विक्रांत सिंह,एस नीला, तरनजीत सिंह,शादाब अहमद, अंकित सिंह,सायमा अशरफ,ज्योति राव,पंकज केवट, माही श्रीवास्तव बालेश दुबे, नीतीश शर्मा,सलीम जाफर अली,उस्मान रजा, सोनू कश्यप,मोहसिन खान,रजत जोशी, अंशु,वरुण, खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे.

रहस्यमयी तरीके से उपसरपंच लापता 36 घंटे बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

ग्रामीणों ने जताई अनहोनी की आशंका

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले से ग्राम पंचायत करही के उपसरपंच महेंद्र बघेल रहस्यमयी तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। महेंद्र 6 सितंबर की रात से वापस घर नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर बिर्रा थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस 6 से 7 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि 36 घंटे बाद भी पुलिस उपसरपंच को नहीं ढूंढ पाई है.जानकारी के मुताबिक, उपसरपंच महेंद्र बघेल 6 सितंबर की रात 10 बजे से लापता है। आसपास ढूंढने और परिचितों से पूछने के बाद भी महेंद्र नहीं मिला तो परिजनों ने बिर्रा थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 से 7 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहा है।

9 सितंबर को कांग्रेस बिलासपुर में निकालेगी बड़ी रैली

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी तेज, नेताओं का खुलकर विरोध, मंत्री बंगले का किया घेराव

रायपुर,8 सितंबर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा, लोकसभा और नगरीय निकाय चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है। समय-समय पर वरिष्ठ नेताओं के बयान से कार्यकर्ताओं में हताशा और निराशा भी बढ़ रही है। हाल ही में पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे के बयान के बाद गुटबाजी को हवा मिली।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के बयान के बाद कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान बढ़ गई है। ऐसे में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी 9 सितंबर को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका यह प्रवास काफी परेशानियों भरा हो सकता है। कांग्रेस में अलग-अलग गुटों में बंटे नेता शिकायतों की झड़ी लगाने वाले हैं। इसके लिए अंदरखाने में तैयारी भी तेज हो गई है।

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पूर्व मंत्री चौबे के खिलाफ अनुशासनहीनता का प्रस्ताव पारित करने से गुटबाजी चरम पर आ गई थी। इस दौरान चौबे के समर्थन में एक-दो जिलाध्यक्षों ने समझने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने चमचों को समझने की नसीहत भी दे दी।इससे दूसरे गुट के नेता नाराज हो गए। अभी तक किसी ने खुलकर बड़ा बयान नहीं दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी पायलट के प्रवास के दौरान खुलकर अपनी बात रखेंगे। दूसरे गुट के कार्यकर्ता महंत के खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा तैयार कर लिया है। रायपुर कांग्रेस ने मंत्री केदार कश्यप पर चतुर्थ वर्ग कर्मचारी से मारपीट करने का आरोप लगाया है। इसके बाद कांग्रेस ने मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। रविवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन और सांकेतिक तौर पर पुतला दहन किया। कांग्रेस ने मंत्री को हटाने की मांग की है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इसे लेकर सोमवार को राजधानी में मंत्री के बंगले का घेराव किया। हालांकि इस मामले में मंत्री कश्यप ने इस प्रकार की घटना होने से इंकार किया।हाल ही में हुए विवाद से पहले भी भी कांग्रेस के भीतर जुबानी तीर चल चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कहीं थी। हालांकि इस मामले में उन्होंने अपनी सफाई भी दी थी। उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन पूर्व मंत्री चौबे के मामले में संगठन को सख्त होना पड़ा। संगठन का मानना है कि यदि अनुशासन का डंडा नहीं चलाया गया ।

एकलशिक्षकीय विद्यालय में शिक्षिका के पदस्थ होने से अब समय पर होती है सभी की पढ़ाई

कोरबा 8 सितंबर । लम्बे समय से एकलशिक्षकीय की बाट जोह रहे पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परसदा के प्राथमिक शाला लाइन पारा के विद्यार्थियों को नई शिक्षिका मिल गई है। पहले एकमात्र शिक्षक होने से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने वाले विद्यार्थी अब नई मैडम के परमानेंट आ जाने से खुश है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण की प्रकिया अपनाई गई। युक्ति युक्तकरण की इस प्रक्रिया से जिले के सैकड़ों विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाभ पहुचा है। खासकर शिक्षकविहिन और एकलशिक्षकीय वाले विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षा की राह आसान हो गई है। जिले के अनेक दूरस्थ विद्यालय में युक्ति युक्तकरण से शिक्षक पदस्थ किए गए हैं।

समाचार संक्षेप

केंद्र सरकार ने खुदरा दवाओं के दाम तय किये

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विभिन्न फार्मास्यूटिकल्स कंपनियों को खुदरा दवाओं के दाम कम करने के निर्देश दिये गये हैं। ज्ञातव्य है कि देश भर से आमजनों एवं चिकित्सकगणों द्वारा लगातार कम कीमत की दवाओं को विभिन्न नियमों का हवाला देकर महंगी दर पर बेचा जा रहा था । जिसके चलते आम मरीज का इलाज बेहद महंगा हो गया था। खुदरा दवाओं के दाम कम होने से जहां मरीजों को राहत मिलेगी वहीं सरकार का विश्वास भी आमलोगों के बीच मजबूत होगा। एनपीपीए अपने आदेश में कहा है कि खुदरा विक्रेता और डीलर मूल्य सूची व अनुपूरक सूची सार्वजनिक स्थानों से लगाएं। यह सूची दवा खरीदने वाले उपभोक्ताओं को साफ साफ दिखाई देनी चाहिए। आम दवाओं के खुदरा मूल्य केंद्र सरकार के द्वारा तय कर दिये गये है इनमें ब्रान्ड स्पेक्ट्रम एवं एंटीबायोटिक दवा जाईरस हेल्थ केयर एवं इप्का लेबोरेटिरिज द्वारा जारी क्रमशः मोरो पेलम एवं सुल्बाक्टम इंजेक्शन एवं मायो कोपेल आदि शामिल है। जिसकी कीमत प्रति वायल 1938 रुपये 98 पैसे तय की गई है। इसके अलावा अन्य दवाओं में मोफिटेल जो बैक्टीरियल इंफेक्शन को दूर करती है उसकी कीमत 131 रुपये 58 पैसे एवं प्रति टेबलेट 71 रुपये 71 पैसे निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण एनपीपीए ने फरवरी में आदेश जारी किया था सभी दवा निर्माता दवा की कीमतें सूची कीमतों की जानकारी खुदरा विक्रेताओं एवं राज्य औषधि नियंत्रकों को प्रदर्शित करने हेतु सौपेंगे। इसकी जानकारी राज्य सरकार को भी देनी होगी।

एक घटना में युवक की हत्या,दूसरी घटना में युवक गंभीर

खैरागढ़, 8 सितंबर। गणेश विसर्जन के दिन जश्न की जगह मातम पसर गयाण् जिले में दो अलग.अलग जगहों पर हुए खूनी संघर्ष ने माहौल को दहला दियाण् एक युवक की मौत हो गईए जबकि दूसरे युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया हैण् दोनों ही मामलों में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैण

चाकूबाजी में युवक की मौत-पहला मामला खैरागढ़ नगर का हैण् दाऊचौरा विसर्जन स्थल पहुंचने के कुछ दूर पहले सांस्कृतिक भवन के पास गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि यह खूनी संघर्ष में बदल गयाण् इस दौरान दीपक यादव ;21 वर्षद्धए निवासी दाऊचौरा पर चाकू से कमर और हाथ में ताबड़तोड़ वार कर दिए गए। लहूलुहान हालत में उसे तत्काल सिविल अस्पताल खैरागढ़ लाया गयाए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दियाण् घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैए वहीं आरोपी युवक फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुट गई हैण्पुरानी रंजिश में हमलादूसरी घटना छुईखदान थाना क्षेत्र के ग्राम विचारपुर में हुईण् यहां पुरानी रंजिश के चलते गणेश विसर्जन के बाद लेखराम महार 40 वर्ष पर गांव के ही पिताम्बर जंघेल 30 वर्ष ने रास्ते में पत्थर से सिर पर हमला कर दियाण् गंभीर रूप से घायल लेखराम किसी तरह बचकर घर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल छुईखदान भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

रायपुर में सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में 08 सितम्बर को आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम दोपहर 11 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा एवं मोतीलाल साहू सहित अन्य विशिष्ट अतिथि होंगे।इस अभियान के माध्यम से सौर ऊर्जा के महत्व को आमजन में बढ़ावा देने तथा स्थायी ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा।

करोड़ों रुपए की चना खरीदी को लेकर कानूनी दावपेंच

- 300 करोड़ से अधिक की राशि से खरीदा जाएगा चना
- आदिवासी क्षेत्रों में दो किलो चना प्रति राशन कार्ड दिया जाएगा

रायपुर। आदिवासी जिलों (माडा) में चना वितरण करने की तैयारी नागरिक आपूर्ति निगम ने शुरू कर दी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रति राशन कार्ड 2 किलो चना राशन कार्ड धारक को दिया जाएगा। ज्ञात रहे चना खरीदी के लिए टेण्डर जारी कर दिया गया है। 300 करोड़ से अधिक का टेण्डर लेने के लिए इस समय कई रसूखदार एवं राजनेता सक्रिय हो गए हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रमुख के अनुसार राज्य में 60 लाख राशन कार्डधारक हैं, इनमें से 30 लाख राशन कार्ड धारक आदिवासी जिलों में हैं, इनमें प्रति राशन कार्ड दो किलो चना दिया जाएगा। सरकार को करीब 50 से 60 हजार क्विंटल चना खरीदी कर वितरण किया जाएगा। राज्य आपूर्ति निगम के माध्यम से इसकी खरीदी की जाएगी। चना के आपूर्ति के लिए कई प्रभावशाली ठेकेदार सक्रिय हो गए हैं। राज्य में इसकी खरीदी करोड़ों में होगी। चना आपूर्ति करने के लिए दिल्ली की एक शासकीय संस्था एवं कई निजी आपूर्तिकर्ता टेण्डार में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए हाईकोर्ट पहुंच गए हैं, लेकिन सरकार ने भी कैबिएट दायर कर दिया है। पहले आवेदक की सुनवाई के पश्चात सरकार के पक्ष के भी सुनवाई होगी।राज्य आपूर्ति निगम में ठेके की शर्तों एवं अन्य नियमों का हलावा देते हुए टेण्डर की तिथि तय कर दी गई है। इसके चलते अब रसूखदार ठेकेदार ठेका लेने के लिए सक्रिय हो गए हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले के कई ठेकेदार इस ठेके को लेने के लिए सक्रिय है, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के विजय कुमार धृतलहरे ने बताया कि राज्य में चना वितरण का काम सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा किया जाता है, लेकिन हमें बतौर कमीशन कुछ नहीं मिलता, इधर नागरिक आपूर्ति निगम के प्रमुख के अनुसार यह ठेका करीब 390 करोड़ होगा, जिसमें करीब 77 हजार क्विंटल चना खरीदना होगा। यह चना आदिवासी क्षेत्र कहे जाने वाले सरगुजा बस्तर सहित अन्य क्षेत्रों में वितरित किया जाएगा।

महानदी के मुख्य नहर में बड़ी दरार, गांव में मची अफरा-तफरी

रायपुर। राजधानी के आरंग विधानसभा क्षेत्र में स्थित महानदी लखौली मुख्य नहर के टूटने से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना ग्राम कुकरा के पास की बताई जा रही है, जहां नहर के प्रथम गेट के समीप करीब 15 से 20 फीट की दरार बन गई है। तेज बहाव के चलते नहर का पानी खेतों में भर गया, जिससे फसलें तबाह होने की आशंका जताई जा रही है।सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचकर बबूल और छिन के पेड़ों की डंगाल डालकर पानी के तेज बहाव को रोकने की कोशिश में जुट गए हैं। वहीं, जेसीबी मशीनें मंगाकर मिट्टी भराव का कार्य भी शुरू किया गया है। कुकरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में भरे पानी के चलते धान की खड़ी फसलें डूबने का खतरा बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि जल संसाधन विभाग ने आरंग में करीब 16 किलोमीटर नहर निर्माण में बड़ा भ्रष्टाचार किया है। गुणवत्ताहीन निर्माण के कारण ही नहर टूट गई है। लंबे समय से नहर की मरम्मत और रखरखाव को लेकर शिकायतें की जाती रही हैं, लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई।

एशिया कप 2025 मलेशिया में, भारतीय बास्केटबॉल टीम में महासमुंद की दिव्या रंगारी का चयन

महासमुंद 8 सितंबर। अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जाना है। जिसके लिए बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर चेन्नई में आयोजित है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी का चयन हुआ है। भारतीय टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर पश्चात् भारतीय टीम स्नद्धक्क अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 सेरेम्बन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें भारतीय टीम साऊथ एशियन जोन की टीम से शामिल होगी। जिसके लिए 12 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ से महासमुन्द जिले की दिव्या रंगारी का चयन हुआ है। दिव्या के चयन होने से प्रदेश एवं जिले में खुशी की लहर देखी जा रहीं है। इससे पहले अंडर 16 एशिया कप स्नद्धक्क क्वालिफायर बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 15 जून 2025 तक मालदीप में आयोजित किया गया था। जिसमें भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने के साथ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता एवं एशिया कप 2025 मलेशिया के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय टीम में महासमुंद छत्तीसगढ़ से दिव्या रंगारी ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। दिव्या रंगारी मिनी स्टेडियम महासमुंद में नियमित अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शामिल होने के साथ ही इंडिया टीम में जगह बनाने में सफल रहीं हैं। महासमुंद जिले में बास्केटबॉल खेल का अभ्यास प्रतिदिन स्थानीय मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया जाता है। जिसमें आसपास क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्र के बच्चे शामिल होते हैं। जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भागीदारी करने के साथ ही पदक जीतने में सफल रहे हैं। भारतीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले से दिव्या रंगारी के स्नद्धक्कअंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 में चयन होने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के राजीव जैन अध्यक्ष, चेयरमैन विजय अग्रवाल, नरेश डाकलिया, राजीव चौबे, सजी थॉमस, आर.एस गौर, जे वेणु, एन के बंछोर, परविंदर सिंह, साहीराम जाखड़, जसवंत सिंह खालसा, सरजीत चक्रवर्ती, धीरज गोयल, रवि भगत, राजेंद्र यादव, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिलाध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद के अध्यक्ष नुरेन चंद्राकर, चेयरमैन गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, पुरन साहू, बादल मक्कड़, खेल अधिकारी खेल एवं युवा चंद्राकर, विकास सोनी, आकाश सोनी, योजना रंगारी, तारणी साहू, सौम्या, श्रेया घोष, राइमा दास ने शुभकामनाएं दीं।

धोखाधड़ी के मामले में 2 गिरफ्तार

भिलाई,8 सितंबर। मंत्रालय में चपरासी की नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को अंजोरा चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी भेषराम देशमुख एवं रविकांत देशमुख को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेजा गया है। वहीं पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश में लगी हुई है। आरोपी गण भेषराम देशमुख, रविकांत देशमुख एवं अरुण मेश्राम के खिलाफ अंजोरा चौकी पुलिस ने धारा 34, 420 के तहतअपराध दर्ज कर जांच में लिया था अंजोरा चौकी प्रभारी संतोष साहू ने बताया कि प्रार्थी संतराम देशमुख निवासी ग्राम चिरनार थाना अर्जुदा जिला बालोद निवासी है उसकी तीन बेटियां तथा एक बेटा है जिसमें से बड़ी बेटी पूजा देशमुख का सुरे गांव निवासी ज्ञानी देशमुख से 7 वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। दामाद ज्ञानी देशमुख बेरोजगार है, इसको लेकर प्रार्थी हमेशा परेशान रहता था। जून 2022 को वर्तमान में वेटरनरी कॉलेज अंजोरा में सरकारी स्टाफ क्वार्टर में रहने वाला भेषराम देशमुख और रविकांत देशमुख अपने साथ अरुण मेश्राम को लेकर गांव आए हुए थे। भेषराम ने कहा कि उसने अरुण मेश्राम जो मंत्रालय के साहब है, उनसे बोलकर चपरासी के पद पर अपने बेटे रविकांत को नौकरी लगाया है जिसे अभी 40000 रुपए वेतन मिलता है। उसकी बातों में फंसकर प्रार्थी ने अपने बेटे एवं दामाद को मंत्रालय में नौकरी लगाने के लिए बात की आरोपियों ने अपने झांसे में लेते हुए दोनों को चपरासी की नौकरी लगाने की बात कह कर ढाई ढाई लाख रुपए कुल 5,00,000 रुपए ले लिए थे। मेश्राम द्वारा पैसा जल्दी देने की जिद पर प्रार्थी ने जमीन को बेचने के लिए एडवांस मे रकम ले ली थी। आरोपियों ने झांसे में लेकर उसके बेटे एवं दामाद के सर्टिफिकेट आदि ले लिए थे परंतु नौकरी नहीं लगाई थी।

राखड़ से धान की फसल बर्बाद,किसानों को लाखों का नुकसान,कलेक्टर से करेंगे शिकायत

कोरबा 8 सितंबर । गेवरा-पेंड्रा रेल कारीडोर मार्ग के लिए बिछायी जा रही रेल पटरी और निर्माण कार्य के लिए आसपास के क्षेत्र में पिछले एक साल के दौरान बड़े पैमाने पर राखड़ डंप किया गया है। भारी बरसात के कारण बेतरतीब तरीके से डाली गई राखड़ खेतो में घुस गया है, जिसके कारण धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गयी हैं।

गेवरा स्टेशन से कुछ दूर ग्राम भैरोताल और कुचेना सीमा पर पिछले एक साल से रेल पथ निर्माण कंपनी का कार्य चल रहा है। यहां पर समतलीकरण करने के लिए बिजली सयंत्रों से निकली राखड़ का उपयोग कर गड्ढों और खेतों में भराव किया गया है। जो गर्मी के दिन में उड़कर आसपास के रिहाइशी इलाके को प्रदूषित कर रहा था और अभी भारी बरसात के कारण बहकर कई एकड़ क्षेत्र में लगे धान के फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है जिससे किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें उभर गयी है। एनटीपीसी-दीपका रेल लाइन के किनारे बांकी-कुसमुंडा सड़क मार्ग के बीच घिरे कई एकड़ खेत मे इन दिनों धान की फसलें लगाई गई है, जो राखड़ के पट जाने से बर्बाद हो चुकी हैं। किंतु क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासनध्प्रशासन के अधिकारी किसी ने भी इस बाबत सुध नही ली है। आवारा मवेशियों से भी फसल की सुरक्षा के लिए किसानों ने फेंसिंग पर हजारों खर्च कर डालें है, पर खेतों में राखड़ पटाव हो जाने से सारी उम्मीद खत्म हो गयी हैं।इसी जगह में बांकी-कुसमुंडा-कोरबा को जोड़ने के लिए सड़क निर्माण किया जा रहा है, जिसमे भैरोताल और कुचेना के एक दर्जन से अधिक किसानों की जमीन प्रभावित हो रही है। खेतों के बीचों-बीच सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जिसके कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। यही नही भूमि अर्जन के लिए भू-अर्जन 2013 अधिनियम के अनुसार निगम क्षेत्र होने के कारण बाजार भाव का दुगना दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए, किंतु मुआवजा निर्धारण में नियमो का पालन नही किये ।

नव गुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र में छात्राओं से मिले ओपी चौधरी

रायपुर, 8 सितम्बर । रायगढ़ जिले के मेहनती और वंचित युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित नवगुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र का रविवार को वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने गढ़उमरिया पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 120 छात्राओं से संवाद किया और अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने छात्राओं से बातचीत करते हुए अपने बचपन के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मात्र 8 वर्ष की उम्र में पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है उन्होंने आश्वस्त किया कि नवगुरुकुल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित

किया जाएगा। वर्तमान में 120 छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, भविष्य में इसे और विस्तारित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता इस विस्तार की मजबूत नींव बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण में फिटनेस, योग और खेलकूद जैसी गतिविधियाँ शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि छात्राओं का शारीरिक और मानसिक विकास समान रूप से हो सके।वित्त मंत्री ने नवगुरुकुल में छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, आवास, इंटरनेट, बिजली और पाठ्य सामग्री जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो छात्राएँ बेहिचक बताएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

सशक्तिकरण का नया अवसरः-वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ में जिला प्रशासन की पहल से संचालित नवगुरुकुल में 120 छात्राओं को निःशुल्क आवासीय दो वर्षीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भोजन और आवास सहित सभी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं। नवगुरुकुल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य वंचित युवाओं को गरिमामय करियर दिलाना है। यहाँ छात्राओं को इंजीनियरिंग, प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बिजनेस आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और कई पूर्व छात्राएँ आज 12-18 लाख रुपये वार्षिक तक का वेतन कमा रही हैं।नवगुरुकुल की नेतृत्व टीम में आईआईटी, एनआईटी, सेंट स्टीफेंस कॉलेज और हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के पूर्व छात्र शामिल हैं। इस संस्थान ने शिक्षा और पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी एकीकृत किया है।

छगवासियों को अधिक बिजली बिल भेजकर चुनावी खर्च वसूल रही भाजपा : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना बंद कर तथा बिजली के दरों में वृद्धि कर आम जनता पर एक और बोझ डाल दिया है। 400 यूनिट तक उपयोग पर बिजली बिल हाफ योजना को घटाकर 100 यूनिट की सीमा निर्धारित करने के कारण बिजली बिल दोगुना से अधिक आ रहा है। सरकार ने हाफ बिजली बिल योजना को घटाया। जिससे इस योजना का लाभ आज गरीब वर्ग को भी नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई हाफ बिजली बिल योजना को अप्रत्यक्ष रूप से पूरी तरह भाजपा ने बंद कर दिया है।

एक नजर

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप
लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में, जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, 8 सितंबर। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ16) में पहुंच गए हैं, जबकि महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में जैस्मिन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुसैन इशैश को 5-0 से मात दी। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले राउंड में बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में हुसैन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे राउंड में लक्ष्य ने फिर से दबदबा बनाया और शानदार जीत दर्ज की। सभी पांचों जजों ने सर्वसम्मति से फैसला लक्ष्य के पक्ष में दिया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में जैस्मिन ने ब्राजील की जूसिएलन सेकेंरा रोमेउ को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में भारत के पवन बर्तवाल को उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक के खिलाफ0-5 से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही उनकी विश्व चैंपियनशिप की यात्रा यहीं समाप्त हो गई। टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहैन पहले दौर में ही बाहर हो गईं।

पीएम मोदी ने भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप जीत की दी बधाई, बताया- 'गौरव का क्षण'

नई दिल्ली, 8 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजगीर में हुए एशिया कप फाइनल में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा- 'यह जीत और भी खास'

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार के राजगीर में आयोजित एशिया कप 2025 में शानदार जीत के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। यह जीत और भी खास है क्योंकि उन्होंने गत विजेता दक्षिण कोरिया को हराया है! यह भारतीय हॉकी और भारतीय खेलों के लिए गर्व का क्षण है। हमारे खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छूते रहें और देश को और गौरवान्वित करें!

शानदार टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए बिहार सरकार की सराहना की

प्रधानमंत्री मोदी ने राजगीर में एक शानदार टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए बिहार सरकार और लोगों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगे कहा, मैं बिहार सरकार और लोगों की भी सराहना करना चाहूंगा, जिनके प्रयासों से राजगीर एक शानदार टूर्नामेंट की मेजबानी कर पाया और एक जीवंत खेल केंद्र बन गया है।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी विजेता टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी विजेता टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्हने 'एक्स' पर लिखा, शानदार प्रदर्शन! बिहार के राजगीर में आयोजित एशिया कप हॉकी के फ़ाइनल में कोरिया को 4-1 से हराकर चैंपियन का खिताब जीतने पर भारतीय हॉकी टीम को हार्दिक बधाई। आप सभी ने पूरे एशिया कप में बेहतरीन खेल की मिसाल कायम की है; सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत ने टूर्नामेंट में अपना अजेय रिकॉर्ड रखा बरकरार

बता दें कि भारत ने टूर्नामेंट में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा, जिसमें पांच जीत और एक ड्रॉ शामिल है। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने लगातार तीन जीत के साथ पूल चरण में अपना दबदबा बनाए रखा। सुपर 4 में, उन्होंने मलेशिया (4-1) और चीन (7-0) पर शानदार जीत के साथ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जबकि दक्षिण कोरिया के खिलाफ2-2 से ड्रॉ खेला।

भारत की चौथी एशिया कप जीत

इस जीत ने न केवल भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया में शीर्ष पर पहुंचाया, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफिकेशन भी सुनिश्चित किया।

यह भारत की चौथी एशिया कप जीत है, इससे पहले टीम ने 2003, 2007 और 2017 में खिताब जीते थे। वहीं, दक्षिण कोरिया इस प्रतियोगिता के इतिहास में पांच खिताबों के साथ सबसे सफल टीम बनी हुई है। उन्होंने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में जीत दर्ज की है।

जो रूट ने रचा इतिहास

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ मचाई खलबली

नई दिल्ली, 8 सितंबर। इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में 342 रन से बड़ी जीत हासिल की जो वनडे की सबसे बड़ी जीत हैइंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट पर 414 रन बनाए और साउथ अफ्रीका केवल 72 रन पर आउट हुआजो रूट ने अपने वनडे करियर का 19वां शतक लगाया और सबसे तेज 19 शतक बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए

दरअसल, जो रूट ने अपने वनडे करियर का 19वां शतक लगाया. वहीं, वनडे में सबसे तेज 19 शतक लगाने के मामले में रूट अब वर्ल्ड क्रिकेट के छठे बल्लेबाज बन गए हैं ऐसा कर रूट ने तेंदुलकर को पछाड़ दिया है. तेंदुलकर ने अपने वनडे करियर में 19 शतक 194 पारी में लगाए थे. वहीं, रूट ने यह कारनामा 172वें पारी में किया है. वहीं, रोहित ने 19 वनडे शतक 181 पारी में लगाए थे. बात करें सबसे तेज 19 वनडे शतक लगाने के बारे में तो बाबर आजम ने केवल 102 पारी में यह कारनामा किया है जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. विराट कोहली ने अपने वनडे करियर में 19 वां शतक 124 पारी में लगाने में सफल रहे थे.

पारियों के हिसाब से वनडे में सबसे तेज 19 शतक

102 पारी - बाबर आज़म
104 पारी - हाशिम अमला
124 पारी - विराट कोहली
139पारी - डेविड वार्नर
171 पारी - एबी डिविलियर्स
172 पारी- जो रूट*
181 पारी - रोहित शर्मा
189 पारी - क्रिस गेल
190 पारी - रॉस टेलर
194 पारी - सचिन तेंदुलकर
197 पारी - सौरव गांगुली

बता दें कि रूट का इंटरनेशनल क्रिकेट में यह 58वां शतक है. वहीं, एक्टिव बल्लेबाजों में रूट अब इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी हैं.

इंग्लैंड की वनडे इतिहास की सबसे बड़ी जीत

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा; अफ्रीका ने 2-1 से नाम की सीरीज

नई दिल्ली, 8 सितंबर। इंग्लैंड ने 342 रनों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका को 72 रन पर समेट दिया। इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया और जोफ्रा आर्चर ने घातक गेंदबाजी की। इस हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। साउथैम्प्टन में रविवार का दिन दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। इंग्लैंड ने उन्हें वनडे इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलने पर मजबूर कर दिया। इंग्लैंड ने 342 रनों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका को 72 रन पर समेट

दिया। इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया और जोफ्रा आर्चर ने घातक गेंदबाजी की। इस हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 414 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह उनका वनडे क्रिकेट में पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। युवा बल्लेबाज जैकब बैथल ने अपने करियर का पहला शतक जमाया। उन्होंने 82 गेंदों पर 110 रन बनाए जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनके साथ जो रूट ने भी शानदार 100 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर (नाबाद 62) और ओपनर जेमी स्मिथ (62) ने रनगति को और तेज कर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की कठिनाइयां बढ़ा दीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। आर्चर ने नई गेंद से कहर बरपाते हुए महज 18 रन पर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को चकनाचूर कर दिया। उन्होंने नौ ओवर में सिर्फ 18 रन देकर चार विकेट चटकाए। कप्तान एडन मार्करम को पहली ही ओवर में चलता किया और फॉर्म में चल रहे मैथ्यू ब्रीत्जके को भी सस्ते में निपटा दिया।

यूएस ओपन जीतकर कार्लोस बने दुनिया के नंबर-1 प्लेयर

तोड़ा यानिस सिनर का सपना

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने वर्ल्ड नंबर वन प्लेयर यानिक सिनर को हराते हुए दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता. अपना छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतते हुए अल्काराज ने सिनर से विश्व की नंबर एक रैंकिंग वापस हासिल कर ली है, सितंबर 2023 के बाद वह पहली बार नंबर वन प्लेयर बने हैं.

फाइनल में स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज ने इटली के 24 साल के सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से मात दी. इस जीत के साथ अल्काराज ने सिनर का हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम में 27 मैच से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया. भारतीय समयानुसार सात-आठ सितंबर की दरम्यानी रात तीन बजे के आसपास चैंपियन का फैसला हुआ. दोनों दिग्गज मौजूदा सीजनर में तीसरी बार

किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने थे, जो टेनिस इतिहास में नया रिकॉर्ड है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच देखने पहुंचे थे, जिसने फाइनल को और दिलचस्प बना दिया. यहां बताना जरूरी हो जाता है कि अल्काराज ने शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-6 (4), 6-2 से जबकि सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया था. अगर यानिक सिनर फाइनल जीत जाते तो वह पिछले 17 साल में लगातार दूसरा यूएस ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन जाते, लेकिन अल्काराज ने उन्हें अपना टाइटल डिफेंड करने नहीं दिया. रोजर फेडरर ने 2008 में यह कारनामा किया था, तब वह लगातार पांचवीं बार चैंपियन बने थे. दोनों के बीच पिछले कुछ समय से कांटे की टक्कर जारी है. अल्काराज ने जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था. सिनर ने जुलाई में विंबलडन में इसका बदला लिया. सिनर ने लगातार पांच ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी जगह बनाई है, जिसकी शुरुआत 12 महीने पहले अमेरिकी ओपन से हुई थी. अल्काराज ने अपना छठा बड़ा टाइटल और फ्लशिंग मीडोज में दूसरा खिताब जीतने की कवायद में एक भी सेट नहीं गंवाया था. सिनर का 2024 की शुरुआत से अल्काराज के खिलाफ रिकॉर्ड 1-6 था जबकि अन्य खिलाड़ियों के खिलाफउनका रिकॉर्ड 109-4 था.

व्यापार

भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 8 सितंबर। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया है कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी चुनौती का सामना करने की पर्याप्त ताकत है। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला।

विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो-ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा।

मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा ।

गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी

सुधार बहुत व्यापक है। सरलीकरण और दरों में कटौती से देश की अर्थव्यवस्था और भी आगे बढ़ेगी। नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोग ज्यादा खर्च करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। ईईपीसी के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने देश की विकास गाथा में इंजीनियरिंग निर्यात की भूमिका की ओर इशारा किया। गोयल ने कहा कि 1970 में, ईईपीसी ने 1 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया था। आज, ईईपीसी का निर्यात 116 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

उन्होंने देश में ही उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपनी प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि हमें आज दुनिया द्वारा भारत में दिखाए जा रहे विश्वास को बनाए रखना चाहिए।

भारत में किसी भी चुनौती से लड़ने के लिए पर्याप्त ताकत

गोयल ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में एक ज़िम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती के सामने, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्थिरता प्रयासों में भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, देश में पर्याप्त ताकत है। भारत किसी भी चुनौती से न तो डरता है और न ही झुकता है।

रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद अचानक धड़ाम हुए सोना-चांदी

मुंबई, 08 सितंबर। पिछले हफ्ते अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर निवेशकों को मालामाल करने वाले सोने और चांदी की चमक सोमवार को अचानक फीकी पड़ गई। घरेलू वायदा बाजार खुलते ही दोनों कीमती धातुओं में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के पीछे रिकॉर्ड स्तर पर मुनाफावसूली और कमजोर अंतरराष्ट्रीय संकेतों को मुख्य कारण माना जा रहा है।

सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 606 रुपए (0.56 प्र.) की बड़ी गिरावट के साथ 1,07,122 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। गौरतलब है कि शुक्रवार को ही इसने 1,07,807 रुपए प्रति 10 ग्राम का अपना सर्वोच्च स्तर छुआ था। इसी तरह, दिसंबर डिलीवरी वाला सोना भी 612 रुपए टूटकर 1,08,176 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखी गई। दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 977 रुपए (0.78 प्र.) लुढ़ककर 1,23,720 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। आपको बता दें कि 3 सितंबर को चांदी 1,26,300 रुपए प्रति किलोग्राम के अपने 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची थी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह मुनाफावसूली है। पिछले सत्र में, शनिवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना 1,07,870 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,27,000 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

जब कीमतें इतनी ऊंचाई पर पहुंच जाती हैं, तो निवेशक अपना मुनाफा पक्का करने के लिए बिकवाली शुरू कर देते हैं, जिससे बाजार में अचानक सप्लाई बढ़ती है और कीमतें नीचे आ जाती हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का रुख बना हुआ है। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ रिसर्च विश्लेषक जिगर त्रिवेदी का कहना है कि जहां आज की गिरावट मुनाफावसूली का नतीजा है, वहीं बाजार में एक और बड़ा ट्रेंड देखने को मिल रहा है। चीन का सेंट्रल बैंक अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए लगातार 10वें महीने सोने की खरीदारी कर रहा है।

ब्लूएरा: भारत से, भारत के लिए-ऑल-इन-वन स्वदेशी सुपर सोशल मीडिया ऐप

रायपुर, 8 सितंबर। भारत के लोगों के लिए, भारतवासियों द्वारा निर्मित किया गया एक पूर्णतः स्वदेशी बहु-कार्यात्मक सुपर सोशल मीडिया ऐप है। यह मंच व्यापार, रोजगार, सामाजिक संवाद, सुरक्षित चैट और ऑनलाइन सेवाओं को एक ही मंच पर जोड़ते हुए नागरिकों को एकीकृत डिजिटल अनुभव प्रदान करता है। यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि ऐसा माध्यम है जो भारत की डिजिटल शक्ति और आत्मनिर्भरता के आवाहन को मूर्त रूप देता है। BlueEra का ध्येय है भारत के नागरिकों, विशेषकर छत्तीसगढ़ की जनता को एक ऐसा डिजिटल मंच प्रदान करना जो महिला सशक्तिकरण, आर्थिक स्वावलंबन और स्थानीय व्यापार के पुनर्जीवन में सहायक बने। यह ऐप केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर एक राष्ट्रीय प्रयास है। साथ ही, BlueEra डेटा गोपनीयता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानते हुए छत्तीसगढ़ के नागरिकों को विदेशी ऐप्स के जाल से मुक्त कर, एक भरोसेमंद और पूर्णतः भारतीय विकल्प उपलब्ध कराता है।

घर में पकाई जाने वाली थाली अगस्त में हुई सस्ती, 8% तक गिरे दाम : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 8 सितंबर। सोमवार को जारी क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2025 में भारत में कमोडिटी की कीमतों में नरमी के चलते घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमशः 7 प्र. और 8 प्र. की कमी आई।

शाकाहारी थाली की लागत में कमी का मुख्य कारण प्याज, आलू और दालों की कीमतों में गिरावट है। प्याज की कीमतों में 37 प्र. और आलू की कीमतों में 31त्न की कमी दर्ज की गई, जो पिछले साल के उच्च आधार और इस साल 18-20 प्र. अधिक प्याज उत्पादन तथा 3-5 प्र. अधिक आलू उत्पादन के कारण संभव हुआ।

दालों की कीमतों में 14 प्र. की कमी

रिपोर्ट के अनुसार, दालों की कीमतों में 14प्र. की गिरावट अधिक उत्पादन और

स्टॉक की उपलब्धता के कारण आई। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने बताया कि आलू और प्याज की कीमतों में गिरावट उच्च आधार पर हुई, जबकि अधिक उत्पादन के कारण दालों की कीमतों में नरमी आई। हालांकि, टमाटर और वनस्पति तेल की कीमतों में वृद्धि ने थाली की लागत में समग्र गिरावट को सीमित कर दिया।

मांसाहारी थाली भी हुई सस्ती

वहीं मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट ब्रॉयलर की कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की गिरावट के कारण हुई, जो लागत का लगभग 50 प्रतिशत है। इसके अलावा, सस्ती सब्जियों और दालों ने भी इसमें योगदान दिया।

आगे भी कीमतें रह सकती हैं कम

शर्मा के अनुसार, सब्जियों और दालों के उच्च आधार और सरकार द्वारा पीली मटर व काले चने के मुफ्त आयात की अनुमति के कारण निकट भविष्य में थाली की कीमतें पिछले साल की तुलना में कम रहने की संभावना है।

घर पर थाली बनाने की औसत लागत उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित कीमतों के आधार पर निर्धारित की गई है, जो आम आदमी के खर्च पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाती है।

हुंडई की गाड़ियां 2.4 लाख रुपए हुई सस्ती

नई दिल्ली, 08 सितंबर । हुंडई मोटर इंडिया ने रविवार को वस्तु एंव सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को ग्राहकों को ट्रांसफर करने का ऐलान किया। इससे गाड़ियों की कीमत 2.4 लाख रुपए तक कम हो गई है। नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जब नई जीएसटी की दरें पूरे देश में लागू होंगी। कंपनी के फैसले से ग्रैंड आई10 निओस की कीमत 73,808 रुपए तक, आई 20 की कीमत 98,053 रुपए तक और आई20 एन लाइन की कीमत 1,08,116 रुपए तक कम हो जाएगी। ऑरा और वरना की कीमतों में क्रमशः 78,465 रुपए और 60,640 रुपए तक की कमी आएगी। एसयूवी सेगमेंट में एक्सटर की कीमत में

89,209 रुपए तक की कमी आएगी। वेन्यू और वेन्यू एन लाइन की कीमतों में क्रमशः 1,19,390 रुपए और 1,23,659 रुपए तक की कटौती होगी।

इसके अलावा कंपनी ने अपनी लग्जरी एसयूवी ट्यूसॉन की कीमत को 2,40,303 रुपए तक कम कर दिया है। इससे पहले टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा और रिनॉल्ट जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियां भी जीएसटी के चलते कीमतों में कटौती का ऐलान कर चुकी हैं।

एक नजर

कैबिनेट की बैठक 9 सितंबर को सभी 14 मंत्री होंगे शामिल

रायपुर, 8 सितम्बर। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार 9 सितंबर को कैबिनेट की अहम बैठक आयोजित होगी। यह बैठक दोपहर साढ़े तीन बजे मंत्रालय अटल नगर, नवा रायपुर में होगी। साय कैबिनेट की यह पहली बैठक होगी, जिसमें सभी 14 मंत्री शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि बैठक में प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसमें बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए राहत और पुनर्वास पैकेज, किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां, आगामी त्योहारी सीजन में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, निवेश प्रोत्साहन से जुड़े प्रस्ताव और कुछ विभागों से संबंधित नीतिगत निर्णयों पर विचार होगा।

किराए के कमरे में चल रहा था सट्टा, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 8 सितम्बर। रायपुर शहर में सट्टा जैसे अवैध धंधे पर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए दो सट्टा संचालकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोज़ काम पर जाने का बहाना बनाकर घर से निकलते थे और जोरापारा इलाके में किराए के मकान के हॉल में बैठकर सट्टा-पट्टी लिखते थे। पुलिस ने मौके से नकद रकम और सट्टा पर्ची बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में रूपेश राव 28 वर्ष, निवासी गोकुल नगर, गली नंबर 6, शीतला मंदिर के पास व रोहित चेलक 34 वर्ष है। थाना मौदापारा पुलिस को 6 सितंबर 2025 को सूचना प्राप्त हुई कि जोरापारा में दुर्गेश नामक व्यक्ति के किराए के मकान में दो लोग बैठकर कल्याण ओपन-क्लोज नामक सट्टा खेला रहे हैं। इस सूचना को वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद टीम ने मौके पर रेड कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि आरोपी रोज सुबह घर से काम का बहाना बनाकर निकलते थे और सट्टा खिलाकर शाम को वापस लौट जाते थे।

चाकूबाजी की घटना के आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 8 सितम्बर। जिले के नेवरा थाना क्षेत्र में 24 जुलाई 2025 को हुई चाकूबाजी की घटना के दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनुष निषाद (20 वर्ष) और सोनू साहू उर्फहेमंत साहू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों नेवरा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इस घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी 04 क्यू.डी. 4895) को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना 24 जुलाई 2025 की रात करीब 8:30 बजे की है, जब प्रार्थी सतीश यादव के बड़े भाई मुकेश यादव और उनके दोस्त दिनेश साहू अपने घर के सामने बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी धनुष निषाद, पोई उर्फचन्द्रकांत साहू और उनके अन्य साथियों ने रोड में खड़ी मोटरसाइकिल को हटाने की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने मुकेश और दिनेश को गंदी-गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी।

केदार कश्यप विवाद में कूदे मरकाम... आरोपों को बताया स्क्रिप्टेड नौटंकी

कांग्रेस पर लगाया आदिवासी नेतृत्व पर बदनाम करने का आरोप, भूपेश और बैज को माफी मांगने की नसीहत

रायपुर, 8 सितम्बर। जगदलपुर के सर्किट हाउस में कर्मचारी पर मारपीट का आरोप लगने के बाद वन मंत्री केदार कश्यप ने इसे साजिश करार दिया है। उन्होंने इस मामले के पीछे कांग्रेस नेताओं की ओर से जबरिया मुद्दा बनाए जाने और बदनाम करने की बात की है। कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार अपना विरोध दर्ज करा रही है। दूसरी ओर मंत्री केदार कश्यप के पक्ष में बीजेपी नेता अब उतर आए हैं।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा व औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने वन मंत्री के पक्ष में खुलकर बयान दिया है। उन्होंने सर्किट हाउस में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के साथ मारपीट के लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार करार दिया। साथ ही उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को स्क्रिप्टेड नौटंकी बताया है। मरकान ने कहा कि यह कांग्रेस की आदिवासी विरोधी मानसिकता का ताजा उदाहरण है। उन्होंने भूपेश बघेल और दीपक बैज का माफी मांगने की नसीहत भी दी है।

आदिवासी नेतृत्व को बदनाम करने की कोशिश कर रही कांग्रेस : विकास मरकाम ने कहा कि कांग्रेस लगातार आदिवासी नेतृत्व को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कार्टून बनाया गया, फिर उनके चेहरे पर गोबर फेंकवाया गया और अब केदार कश्यप पर झूठे आरोप थोपे जा रहे हैं। यह सिलसिला इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस को आदिवासी नेतृत्व से चिढ़ है और वह हर बार उन्हें अपमानित करने का षड्यंत्र रचती है।

केदार मीडिया से करेंगे चर्चा

सर्किट हाउस मुद्दे पर मंत्री केदार कश्यप भाजपा जिला कार्यालय चितालंका दंतेवाड़ा में आज मीडिया से चर्चा करेंगे। मीडिया से चर्चा के दौरान पूरे घटनाक्रम और उसके बाद उपजे विवाद की जानकारी देंगे। बीजेपी के अधिकृत मीडिया ग्रुप में ये जानकारी सार्वजनिक की गई है।

कांग्रेस झूठे वीडियो, बयान दिलवाकर गुमराह कर रही

उन्होंने मंत्री कश्यप के लंबे राजनीतिक जीवन और उनके सेवाभाव का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा से विनम्र और सज्जन छवि वाले नेता रहे हैं। दशकों से उनका सार्वजनिक जीवन न केवल बस्तर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों के बीच आदर्श माना जाता है। कांग्रेस ने जिस तरह से इस घटना को तूल दिया है, उससे साफ है कि मुद्दों के अभाव में अब कांग्रेस झूठे वीडियो और जबरन बयान दिलवाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

यह कांग्रेस की नौटंकी

मरकाम का आरोप है कि वायरल वीडियो में साफदिखता है कि कर्मचारी से जबरन बयान दिलवाया जा रहा है। यह कांग्रेस की स्क्रिप्टेड नौटंकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सेवा और संयम की मिसाल हैं, जबकि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता अक्सर धौंस, हिंसा और बदजुबानी के लिए बदनाम रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास आदिवासी नेताओं को अपमानित करने का रहा है। जब भी कोई आदिवासी नेता जनप्रिय होता है, कांग्रेस उस पर झूठे आरोप मडती है। बस्तर और सरगुजा में कांग्रेस की चुनावी हार से उपजी हताशा में यह नई हरकत की जा रही है। विकास मरकाम ने मांग की कि दीपक बैज और भूपेश बघेल आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। अन्यथा आदिवासी समाज आने वाले समय में इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

रायपुर में लेबर की मौत, शिल्पी स्टील के प्रबंधन व ठेकेदार पर एफआईआर

रायपुर, 8 सितम्बर। राजधानी रायपुर के सिलतरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित शिल्पी स्टील प्लांट में काम कर रहे एक मजदूर की राखड़ (अलाव/ फ्लाई ऐश) से झुलसने के बाद मौत हो गई। मृतक का नाम शिवकुमार यादव बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले में फैक्ट्री प्रबंधन और ठेकेदार के खिलाफएफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रोहित माहेलकर ने मामले में एफआईआर दर्ज करने, कंपनी प्रबंधन और ठेकेदार के खिलाफ आगे की जांच करने की बात बोली है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार हादसा 12 अगस्त की दोपहर तीन बजे हुआ था। तीन बजे शिवकुमार यादव की ड्यूटी किलन (गरम भठठा) को सफाई करने के लिए निरीक्षण में लगी हुई थी।

इस दौरान वो भट्टी से निकलने वाली राख के गर्म अलाव की तपिश के चपेट में आ गया। साथी कर्मचारियों ने उसे तत्काल पचपेड़ी नाका स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पांच दिन के उपचार के बाद 17 अगस्त की शाम को 4.30 बजे उसकी मौत हो गई।

- काम के दौरान सेफ्टी किट उपकरण नहीं देने की पुष्टि, 22 दिन तक जांच करके पुलिस ने दर्ज किया केस

22 दिन की जांच के बाद एफआईआर : शिव कुमार की मौत की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और 22 दिन की जांच के बाद शिल्पी स्टील प्रबंधन-ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज की है।

शिल्पी स्टील प्रबंधन के डायरेक्टर विजय अग्रवाल और नितिन कुमार अग्रवाल बताए जा रहे है। विवेचना अधिकारियों ने उक्त मामले में कंपनी प्रबंधन के जिम्मेदारों को नोटिस देकर बुलाने की बात बोली है।

लगातार हो रहे फैक्ट्रियों में हादसे: मजदूरों की सुरक्षा को लेकर यह पहला मामला नहीं है। इंडस्ट्रियल एरिया में पहले भी कई बार इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जहां सेफ्टी किट की कमी और लापरवाही के चलते मजदूरों की जान गई है।

रायपुर में तेज बारिश, 17 जिलों में अलर्ट 7 सितंबर तक 85 प्रतिशत कोटा पूरा

रायपुर, 8 सितम्बर। पूरे छत्तीसगढ़ में 2 दिन बाद तेज बारिश हो सकती है। दो-तीन जगहों पर भारी पानी बरस सकता है। रायपुर में सोमवार दोपहर के बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। आज मौसम विभाग ने सेंट्रल छत्तीसगढ़ के दुर्ग, बालोद, रायपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव सहित 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। आंधी चल सकती है। ओवल ऑल बात करें तो 7 सितंबर तक प्रदेश में मानसून का 85 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है। सामान्य तौर पर औसत 1143.3 मिमी बारिश होती है, जबकि अब तक 981.3 मिमी वर्षा हो चुकी है। इस साल मानसून अगस्त के महीने को छोड़ दें तो अब तक सामान्य रहा है।

एससीईआरटी ने सारे शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम टाले

- शिक्षा मंत्री यादव की नाराजगी के बाद लिया फैसला, स्कूल नहीं जा पा रहे थे शिक्षक

रायपुर, 8 सितम्बर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) ने शिक्षकों के लिए होने वाले सभी तरह की ट्रेनिंग को फिलहाल टाल दी है। अब शासन के निर्देश पर अतिआवश्यक ट्रेनिंग ही आयोजित किए जाएंगे। दरअसल, लगातार ट्रेनिंग प्रोग्राम के चलते स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। पिछले दिनों हुई समीक्षा बैठक में ये पूरा मामला उठा था। जिसके बाद स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने ट्रेनिंग कार्यक्रमों पर नाराजगी जताई है। मंत्री यादव ने कहा था कि समर वेकेशन के दौरान ट्रेनिंग दी जाए। टीचर ट्रेनिंग में व्यस्त रहेंगे तो स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। मंत्री यादव के निर्देश और नाराजगी के बाद SCERT ने वर्तमान में संचालित, अनुमोदित और प्रस्तावित सभी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया।अभी कई तरह के ट्रेनिंग प्रोग्राम चल रहे हैं। इनमें कई समग्र शिक्षा से जुड़े हुए हैं। बीते एक महीने में ही एक दर्जन से अधिक ट्रेनिंग प्रोग्राम हुए : हाल ही में जिला स्तर पर क्षमता निर्माण पर ट्रेनिंग प्रोग्राम चला था। दो दिन तक चले इस प्रोग्राम को शिक्षक दिवस पर रखा गया था।

आज निकलेगी गणेश विसर्जन झांकी

कई रूट डायवर्ट, 800 पुलिसकर्मी होंगे तैनात, हर संदिग्ध की ली जाएगी तलाशी

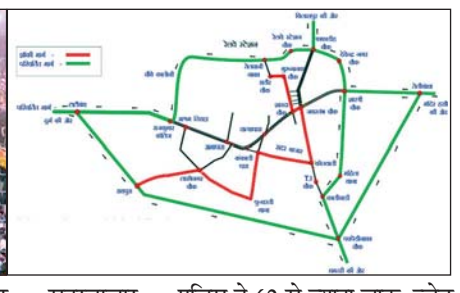

- रात 8 बजे से निकलेगी झांकी, चाकूबाजी रोकने-यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने ड्रोन कैमरे से की जाएगी निगरानी

रायपुर, 8 सितम्बर। राजधानी रायपुर में सोमवार रात 8 बजे से गणेश उत्सव की झांकी निकाली जाएगी। इस बार भी शारदा चौक से झांकियों को टोकन दिया जाएगा। झांकियां तेलघानी नाका, राठौर चौक और तात्यापारा से आकर शारदा चौक में रुकेंगी और एक-एक कर छोड़ी जाएंगी। इसके बाद झांकियां जयस्तंभ चौक से मालवीय रोड, सदरबाजार, कंकालीपारा, पुरानी बस्ती, लाखेनगर, अश्वनी नगर, सुंदर नगर और रायपुरा होते हुए महादेव घाट तक पहुंचेंगी। भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर राजधानी में करीब 800 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। सुरक्षा बल सादी वर्दी में भीड़ में गश्त करेंगे और हर संदिग्ध की तलाशी ली जाएगी। पिछले साल इसी दौरान पुलिस ने 60 से ज्यादा चाकू, ब्लेड और उस्तुरा जब्त किए थे। इस बार भी क्राइम ब्रांच की टीम को दो-दो के ग्रुप में बांटा गया है ताकि वे भीड़ में निगरानी रख सकें। कुछ जगहों पर थानों के स्टाफभी मौजूद रहेंगे। शहर में तैनात पुलिसकर्मियों की निगरानी ष्टस्क्र रैंक के अधिकारी करेंगे। विसर्जन यात्रा पर ड्रोन और कैमरों से भी नजर रखी जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन
NSEFI RE-Imagining Sustainable India
CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
Knowledge Partner SHAKTI SUSTAINABLE ENERGY FOUNDATION
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह

8 सितंबर, 2025

कार्यक्रम स्थल
पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, रायपुर

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्य सब्सिडी प्रदान - पी॰एम॰ सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना
पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों का सम्मान
पी॰ एम॰ सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना - "सूर्य रथ जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ"
विशेषज्ञों द्वारा वित्तीय, तकनीकी व नीतिगत सत्र

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
मासिक बिजली बिल से भी कम ई.एम.आई. में लगाएं रूफ टॉप

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹170
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹341
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹818

बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं
https://pmsuryaghar.gov.in/
QR कोड स्कैन करें

डबल सब्सिडी
केंद्र के साथ मिल रही राज्य की भी सब्सिडी

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली

मोर बिजली CSPDCL
TOLL FREE 1912

सस्ती नहीं, मुफ्त बिजली की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

संवाद आर.ओ.- 45143/149

स्वत्वाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, प्रकाशक-मुद्रक उत्तम कुमार अलकरे की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस, प्रेस टॉवर, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित * संपादक-संजय कुमार दुबे, * प्रबंध संपादक- आशीष कुमार तिवारी, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26